- 19th Year
- Issue: 288
- 27.02.2026 (FRIDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

आतंकवाद पर कोई दोहरा मापदंड नहीं, पीएम मोदी ने इजराइल से किया गाजा शांति पहल का पुरजोर समर्थन

नयी दिल्ली २६/०२ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इजराइल की संसद 'नेसेट' को संबोधित करते हुए एक नया इतिहास रच दिया। वह इजराइली संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए हैं। अपने ओजस्वी भाषण में पीएम मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की %जीरो टॉलरेंस% नीति को दोहराया और गाजा शांति पहल को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एकमात्र मार्ग बताया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजराइल के प्रति एकजुटता का सशक्त संदेश देते हुए कहा कि ''आतंकवाद चाहे कहीं हो, यह हर जगह की शांति के लिए खतरा है''। मोदी ने कहा कि इजराइल की तरह भारत भी आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की एक ''सुसंगत और अडिग नीति अपनाता है और इसमें कोई दोहरा मापदंड नहीं है''। उन्होंने इस खतरे का मुकाबला करने के लिए निरंतर और समन्वित वैश्विक प्रयासों का आह्वान भी किया। प्रधानमंत्री इजराइल की प्रतिनिधि सभा, नेसेट को संबोधित करने के कई घंटे पहले यहां पहुंचे। बेन गुरियन हवाई अड्डे पर इजराइल के उनके समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने उनका जोरदार स्वागत किया।

मोदी ने कहा, ''मैं सात अक्टूबर (2023) को हमास द्वारा किए गए बर्बर आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले हर व्यक्ति और उस परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिसकी दुनिया इस हमले में बिखर गई।'' उन्होंने कहा, ''हम आपकी पीड़ा को समझते हैं। हम आपके शोक में आपके साथ हैं। भारत इस समय और भविष्य में भी पूरी दृढ़ता के साथ इजराइल के साथ खड़ा है। कोई भी कारण नागरिकों की हत्या को जायज नहीं ठहरा सकता।आतंकवाद को किसी भी तरह जायज नहीं ठहराया जा सकता।'' यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री का नेसेट में दिया गया पहला भाषण है और इस दौरान मोदी ने आतंकवाद से पूरी ताकत से लड़ने के भारत के दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित किया। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और कई अन्य वरिष्ठ नेता और सांसद इस दौरान संसद में मौजूद रहे। उन्होंने कहा, ''भारत ने भी लंबे समय तक आतंकवाद का दर्द सहा है।

हमें 26/11 मुंबई हमले और उनमें जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों की याद है, जिनमें इजराइली नागरिक भी शामिल थे। आपकी तरह, हमारी भी आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की एक दृढ़ और अटल नीति है और इसमें कोई दोहरा मापदंड नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''आतंकवाद का उद्देश्य समाजों को अस्थिर करना, विकास को बाधित करना और विश्वास को कमजोर करना है। आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए सतत और समन्वित वैश्विक कार्रवाई आवश्यक है, ज़्योंकि चाहे आतंकवाद कहीं हो, यह हर जगह शांति के लिए खतरा है।''उन्होंने कहा, ''इसीलिए भारत उन सभी प्रयासों का समर्थन करता है जो स्थायी शांति और क्षेत्रीय स्थिरता में योगदान देते हैं।'' प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया की बदलती परिस्थितियों पर भी विस्तार से चर्चा की और कुछ वर्ष पहले इज़राइल के कई देशों के साथ अब्राहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''यह लंबे समय से अशांत रहे क्षेत्र के लिए नई उम्मीद का क्षण था। तब से परिस्थितियां काफी बदल गई हैं। राह और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है, फिर भी उस उम्मीद को बनाए रखना जरूरी है।''

वर्तमान संदर्भ में मोदी ने 'गाज़ा शांति पहल' का स्पष्ट समर्थन किया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित इस योजना को पूरे क्षेत्र के लिए ''न्यायसंगत और स्थाई शांति'' की दिशा में निर्णायक मार्ग बताया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित 'गाज़ा शांति पहल' एक मार्ग प्रदान करती है। भारत ने इस पहल के प्रति अपना दृढ़ समर्थन व्यक्त किया है।''उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि यह पहल क्षेत्र के सभी लोगों के लिए न्यायसंगत और स्थाई शांति का वादा करती है, जिसमें फ़लस्तीन मुद्दे का समाधान भी शामिल है।''

उन्होंने कहा, ''हमारे सभी प्रयास बुद्धिमज़ा, साहस और मानवता से प्रेरित हों। शांति की राह हमेशा आसान नहीं होती, लेकिन भारत इस क्षेत्र में संवाद, शांति और स्थिरता के लिए आपके साथ और दुनिया के साथ खड़ा है।'' मोदी ने कहा कि भारत और इज़राइल ''इतिहास से आकार पाई लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं हैं और भविष्य पर केंद्रित हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारी साझेदारी साझा अनुभवों और साझा आकांक्षाओं पर आधारित है। हमारी मजबूत भागीदारी न केवल राष्ट्रीय हितों की पूर्ति करती है, बल्कि वैश्विक स्थिरता और समृद्धि में भी योगदान देती है।''

ममता बनर्जी ने 1.2 करोड़ नाम हटाने की साजिश पर शुरू की जंग

नयी दिल्ली २६/०२ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल की मुज़्यमंत्री ममता बनर्जी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्क्रुक्र) की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र भवानीपुर में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुज़्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य के वैध मतदाताओं के नाम काटने के लिए एक बड़ी साजिश रची जा रही है। मुज़्यमंत्री ममता बनर्जी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में नागरिकों के नाम हटाये जाने के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखने का बुधवार को संकल्प लिया और कहा कि उन्हें आशंका है कि तार्किक विसंगतियों का हवाला देते हुए 1.2 करोड़ से अधिक नाम हटाने की साजिश रची जा रही है। एसआईआर के पहले चरण के बाद 58 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जाने का दावा करते हुए बनर्जी ने कहा, ''तार्किक विसंगतियों के बहाने, 14 फरवरी तक कम से कम 20 लाख और वास्तविक मतदाताओं को गुपचुप तरीके से मतदाता सूची से बाहर कर दिया गया।

यहां अपने भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में कई परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से 80 लाख नाम हटाने की साजिश रची जा रही है।

बंगाल चुनाव से पहले अमित शाह का हुंकार, भाजपा जीती तो हर घुसपैठिया होगा बाहर

अररिया २६/०२ (संवाददाता): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जीत दर्ज करेगी और सज़ा में आने के बाद राज्य से हर एक घुसपैठिये को बाहर किया जाएगा। शाह ने यह बात बिहार के अररिया जिले में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। अररिया सीमांचल क्षेत्र में स्थित है, जिसकी सीमा पश्चिम बंगाल से लगती है।उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में चुनाव नजदीक हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि भाजपा जीतने जा रही है। नई सरकार बनने के बाद हम हर एक घुसपैठिये को बाहर करेंगे। गृह मंत्री ने कहा, घुसपैठियों को बाहर निकालने की प्रक्रिया बिहार, खासकर सीमांचल क्षेत्र से शुरू होगी। हमने पिछले वर्ष

विधानसभा चुनाव इसी मुद्दे पर जीता था। विरोधियों द्वारा हमारे एजेंडे की आलोचना किए जाने के बावजूद हमें जनादेश मिला।卐 शाह ने कहा कि घुसपैठ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है और घुसपैठिये किसी क्षेत्र के जनसांज़ियकीय संतुलन को भी प्रभावित करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वे राशन पर निर्भर रहते हैं और आम लोगों के लिए निर्धारित अन्य लाभों का भी उपयोग करते हैं।

उन्होंने कहा, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और असम ऐसे जनसांज़ियकीय असंतुलन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं। नरेन्द्र मोदी सरकार जनसांज़ियकीय संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।卐 शाह ने अपने संबोधन की शुरुआत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की। उन्होंने कहा, 卐1857 का विद्रोह 'भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' तब माना गया, जब सावरकर ने इस विषय पर एक पुस्तक लिखकर इसे उसी रूप में स्थापित किया।

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की भेंट

नई दिल्ली/ भोपाल/ ग्वालियर २६/०२ (संवाददाता): केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोज़र क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज नई दिल्ली स्थित रेल भवन में केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैश्नव के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में मध्य प्रदेश के ग्वालियर, गुना और चंबल अंचल सहित देश के विभिन्न हिस्सों से इन क्षेत्रों की सीधी रेल कनेज़्टिविटी और पूर्वोज़र में रेल कनेज़्टिविटी को सुदृढ़ करने संबंधी विविध परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान चंबल क्षेत्र में प्रमुख ट्रेनों के अतिरिक्त ठहराव, नई ट्रेनों के संचालन, नई रेल लाइनों के निर्माण तथा लंबित रेल विस्तार योजनाओं को गति देने पर सकारात्मक और विचार-विमर्श हुआ। सिंधिया ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि बेहतर रेल संपर्क न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि क्षेत्रीय व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक गतिविधियों को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा। अवसंरचना विस्तार को लेकर भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि पूर्वोज़र भारत की कनेज़्टिविटी को मजबूत करना राष्ट्रीय एकात्मता और संतुलित विकास की दिशा में अत्यंत आवश्यक है।

सिंधिया ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार देश के हर क्षेत्र को आधुनिक अवसंरचना से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि समग्र और संतुलित विकास के माध्यम से ही 'विकसित भारत 2047' का संकल्प साकार होगा, और रेल कनेज़्टिविटी इस यात्रा की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

एआई समिट को बदनाम करने के लिए दी 40 हजार की सुपारी, बीजेपी का आरोप-कांग्रेस ने रची खुंखार साजिश

नयी दिल्ली २६/०२ (संवाददाता): भारत में आयोजित एआई इज़्पैज़्ट समिट अब केवल तकनीक और नवाचार का केंद्र नहीं, बल्कि एक बड़े राजनीतिक युद्ध का अखाड़ा बन गई है। यूथ कांग्रेस के सदस्यों द्वारा किए गए शर्टलेस प्रोटेस्ट के बाद अब भारतीय जनता पार्टी ने एक चौंकाने वाला दावा किया है। बीजेपी का आरोप है कि कांग्रेस ने इस अंतरराष्ट्रीय इवेंट की छवि खराब करने के लिए सोशल मीडिया इन्ज़्लुएंसर्स को पैसे देकर एक नेगेटिव पीआर कैंपेन चलाया है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहज़ाद पूनावाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए इसे एक सुनियोजित साजिश करार दिया। पार्टी के मुताबिक, कांग्रेस क्क टीम के सदस्यों ने इन्ज़्लुएंसर्स से संपर्क किया और समिट को फेल दिखाने वाले कंटेंट के बदले 10,000 रुपये से 40,000 रुपये तक के पेमेंट का प्रस्ताव दिया। ङ्क पर बात

करते हुए, क्क्छक्क के नेशनल स्पोज़्सपर्सन शहज़ाद पूनावाला ने दावा किया कि कांग्रेस ने ढ्ढ समिट और भारत को बदनाम करने के लिए एक कैंपेन चलाया, जिसमें इन्ज़्लुएंसर्स को इवेंट की बदनामी करने के लिए पैसे दिए गए। उन्होंने पोस्ट में लिखा, कांग्रेस का पैसा लो, ढ्ढ समिट, भारत बदनाम करो मॉडल। कांग्रेस इकोसिस्टम ने आई समिट की बुराई करने के लिए पैसे दिए? BJP विरोध में देश विरोध?

शर्टलेस एज़्ट के बाद, अब यह?कई इन्ज़्लुएंसर्स के पज़्लिकली यह दावा करने के बाद विवाद और बढ़ गया कि उन्हें ऐसे ऑफर मिले थे। ऑनलाइन शेयर किए गए वीडियो में, उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस से जुड़े लोगों ने उनसे इवेंट की बुराई करने वाला स्क्रिप्टेड कंटेंट बनाने के लिए कहा था। उनमें से कुछ ने कहा कि उनके पास कथित फाइनेंशियल डील के सबूत के तौर पर चैट मैसेज और ऑडियो रिकॉर्डिंग हैं।पिछले शुक्रवार को, इंडियन यूथ कांग्रेस के वर्कर्स के एक ग्रुप ने ढ्ढ इज़्पैज़्ट समिट के दौरान एक एग्जीबिशन हॉल के अंदर शर्टलेस प्रोटेस्ट किया। प्रोटेस्ट करने वाले लोग सरकार और इंडिया-स्ट्रेड डील के खिलाफ नारे लिखी टी-शर्ट पकड़े हुए वेन्यू से गुजरे, जिसके बाद सिज़्योरिटी वालों ने उन्हें बाहर निकाल दिया।

यौन उत्पीड़न के आरोपों पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने तोड़ी चुप्पी, आरोप लगाने वाले के खिलाफ ही दर्ज कराया मुकदमा

नयी दिल्ली २६/०२ (संवाददाता): प्रयागराज में बटुकों (बालकों) के यौन शोषण के आरोपों को लेकर ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने खुद पर लगे आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद बताते हुए आरोप लगाने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी के खिलाफ ही पॉज़्सो एज़्ट की धारा 22 के तहत मुकदमा दर्ज करा दिया है। शंकराचार्य का कहना है कि कानून के मुताबिक अगर कोई किसी पर झूठा केस करता है, तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है।

शंकराचार्य ने दावा किया कि जिन दो लड़कों के यौन शोषण की बात कही जा रही है, वे लंबे समय से आशुतोष ब्रह्मचारी के पास ही रह रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर मेडिकल रिपोर्ट में बच्चों के

साथ गलत होने की पुष्टि हुई है, तो इसका जिज़्मेदार वही व्यक्ति है जिसके पास बच्चे रह रहे थे। स्वामी जी ने साफ किया कि उनका उन बच्चों से कोई संपर्क नहीं था और वे कभी उनके गुरुकुल भी नहीं आए।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने आरोप लगाया कि उज़र प्रदेश में अपराधियों का बोलबाला है जो जांच को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने एक व्हाट्सएप ग्रुप का हवाला देते हुए कहा कि उनके खिलाफ जानबूझकर दुष्प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि देश के कई साधु-संत उनके साथ हैं, लेकिन सरकार और अपराधियों के डर से वे खुलकर सामने नहीं आ पा रहे हैं।

शंकराचार्य ने प्रयागराज की एक महिला द्वारा श्री विद्यामठ को लेकर किए गए दावों को भी गलत बताया। महिला ने मठ में लिज़्ट और स्विमिंग पूल जैसी सुख-सुविधाओं के होने का आरोप लगाया था, जिसे स्वामी जी ने सिरे से खारिज कर दिया।

होली पर घर जाने वालों के लिए चलेंगी 1244 स्पेशल ट्रेन

नयी दिल्ली २६/०२ (संवाददाता): यदि आप होली पर घर जाने की तैयारी कर रहे हैं तो आपके लिए खुशखबरी है। भारतीय रेलवे ने त्योहार के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए बड़ी संज़्या में होली स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है, ताकि यात्रियों को कन्फर्म सीट और आरामदायक सफर मिल सके। वहीं अगर आप कोई स्टार्टअप चला रहे हैं और रेलवे के साथ मिलकर नई तकनीक पर काम करना चाहते हैं, तो आपके लिए भी अवसर खुल गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई रेल टेक नीति की घोषणा की है, जिसके तहत नवाचार और तकनीकी समाधान सीधे रेलवे से जोड़े जाएंगे।

देखा जाये तो भारतीय रेल अब तेज बदलाव के दौर से गुजर रही है। रेल मंत्री

अश्विनी वैष्णव ने नई रेल टेक नीति और रेलवे ज़्लेज़्स ट्रिज़्यूनल की डिजिटल व्यवस्था की शुरुआत कर सुधारों को नई दिशा दे दी है। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रिफॉर्म्स विजन के तहत उठाया गया है। नई रेल टेक नीति का मकसद रेलवे में नई तकनीक और नए विचारों को बढ़ावा देना है। अब स्टार्टअप, उद्योग और शिक्षण संस्थान सीधे रेलवे के लिए अपने सुझाव दे सकेंगे। इसके लिए रेल टेक पोर्टल शुरू किया गया है, जहां एक ही चरण में प्रस्ताव जमा किए जा सकेंगे। प्रोटोटाइप बनाने और परीक्षण के लिए मिलने वाला अनुदान पहले से दोगुना कर दिया गया है, जबकि स्केल अप के लिए अनुदान तीन गुना से अधिक बढ़ाया गया है।साथ ही रेलवे ज़्लेज़्स ट्रिज़्यूनल की 23 पीठों को डिजिटल रूप से जोड़ने की तैयारी है। अब यात्री देश में कहीं से भी ऑनलाइन मामला दर्ज कर सकेंगे। इससे सुनवाई की प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और आसान होगी। रेल मंत्री ने 2026 में 52 सप्ताह में 52 सुधार लागू करने की योजना भी सामने रखी है। इसमें ट्रैक और ढांचे का विस्तार, बेहतर रखरखाव, नेटवर्क क्षमता बढ़ाना, कर्मचारियों का प्रशिक्षण और खानपान सेवाओं में सुधार शामिल है। लक्ष्य है कि रेल दुर्घटनाओं की संज़्या को घटाकर एक अंक तक लाया जाए। बाइट। इधर, होली के त्योहार को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों के लिए बड़ी तैयारी की है। 25 फरवरी से 18 मार्च 2026 के बीच 1244 होली विशेष रेल यात्राएं चलाई जाएंगी। जरूरत पड़ने पर यह संज़्या 1500 तक बढ़ाई जा सकती है। इन विशेष ट्रेनों से मुंबई, पुणे, नागपुर, पटना, दरभंगा, गोरखपुर, वाराणसी, लखनऊ, अमृतसर, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और दिल्ली समेत कई प्रमुख शहरों के बीच अतिरिक्त सीटें उपलज़्ध होंगी। पूर्व मध्य रेलवे सबसे अधिक 275 विशेष यात्राएं चलाएगा, जबकि उज़र रेलवे 204 यात्राएं संचालित करेगा। इसके अलावा पश्चिम, दक्षिण, दक्षिण पूर्व, उज़र पूर्व और अन्य सभी जोन में भी विशेष सेवाएं चलाई जाएंगी। रेल मंत्रालय का कहना है कि इन विशेष ट्रेनों से नियमित ट्रेनों पर दबाव कम होगा और यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी।देखा जाये तो भारतीय रेल एक साथ दो मोर्चों पर काम कर रही है। एक ओर तकनीक और प्रशासनिक सुधारों से व्यवस्था को आधुनिक बनाया जा रहा है, तो दूसरी ओर त्योहारों के समय यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इससे साफ है कि रेलवे अब सुरक्षा, सुविधा और सुधार को साथ लेकर आगे बढ़ रही है।

विविध समाचार

मोदी की यही तो खास बात है! इजराइल और फिलिस्तीन दोनों से सर्वोच्च सम्मान पाने वाले चुनिंदा विश्व नेताओं में शुमार हुए

नयी दिल्ली २६/०२ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे चुनिंदा विश्व नेताओं में शामिल हो गए हैं जिन्हें इजराइल और फिलिस्तीन दोनों की ओर से सर्वोच्च राजकीय सज़्मान प्राप्त हुआ है। यह उपलज़्धि केवल व्यक्तिगत सज़्मान नहीं बल्कि पश्चिम एशिया में भारत की संतुलित और परिपक्व कूटनीति का प्रतीक मानी जा रही है। दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर इजराइल पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइली संसद नेसेट को संबोधित कर इतिहास रच दिया। वह नेसेट को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। उनके संबोधन के दौरान सदन में मोदी मोदी के नारों और तालियों की गड़गड़ाहट ने दोनों देशों के बीच गहरे होते रिश्तों का संकेत दिया। खास बात यह है कि मोदी की इजराइल यात्रा के दौरान वहां की सभी राजनीतिक पार्टियां एकजुट नजर आईं जबकि हाल के दिनों में वहां गहरे राजनीतिक मतभेद देखने को मिले हैं।

संबोधन के बाद प्रधानमंत्री को स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल से सज़्मानित किया गया, जो नेसेट का सर्वोच्च सज़्मान है। यह सज़्मान उन्हें भारत और इजराइल के बीच संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में उनके व्यक्तिगत नेतृत्व और योगदान के लिए प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री ने इस सज़्मान को भारत और इजराइल की स्थायी मित्रता को समर्पित करते हुए कहा कि यह किसी एक व्यक्ति का नहीं बल्कि साझा मूल्यों और साझी प्रतिबद्धताओं का सज़्मान है।इससे पहले वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री मोदी को फिलिस्तीन के सर्वोच्च सज़्मान ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन से नवाजा गया था। यह सज़्मान उन्हें फिलिस्तीन की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान प्रदान किया गया

था, जो किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली आधिकारिक फिलिस्तीन यात्रा थी। उस अवसर पर फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अज़्बास ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्हें शांति और स्थिरता के लिए प्रयासरत एक साहसी नेता बताया था।

इजराइल में अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के प्राचीन सज़्यतागत संबंधों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक राष्ट्र बनने से बहुत पहले भारत और यहूदी समुदाय के बीच दो हजार वर्षों से अधिक पुराने संबंध रहे हैं। उन्होंने हमास के सात अक्तूबर 2023 के हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे बर्बर करार दिया और कहा कि भारत इस कठिन समय में इसराइल के साथ दृढ़ता से खड़ा है। प्रधानमंत्री ने भारत की आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति को दोहराया और 26 11 मुंबई हमलों का उल्लेख करते हुए कहा कि आतंक के विरुद्ध कोई दोहरा मापदंड नहीं होना चाहिए। साथ ही उन्होंने गाजा में स्थायी शांति के प्रयासों का समर्थन करते हुए कहा कि भारत क्षेत्रीय स्थिरता के लिए हर पहल के साथ है।

मोदी और नेतन्याहू की मित्रता के किस्से तो वैसे दुनिया भर में जगजाहिर हैं, इस कड़ी में एक और किस्सा तब जुड़ गया जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पारंपरिक भारतीय वेशभूषा पहनकर रात्रिभोज में शामिल होकर एक भावनात्मक संकेत दिया। नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी को भाई बताते हुए कहा कि वह इजराइल के सच्चे मित्र हैं। उन्होंने सात अक्तूबर के हमले के बाद भारत द्वारा दिए गए नैतिक समर्थन को विशेष रूप से याद किया। देखा जाये तो इस घटनाक्रम का सामरिक महत्व अत्यंत गहरा है। इजराइल भारत का प्रमुख रक्षा साझेदार है। ड्रोन तकनीक, मिसाइल प्रणाली, सीमा सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और खुफिया सहयोग जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों की भागीदारी लगातार मजबूत हुई है। आतंकवाद विरोधी सहयोग और रक्षा आधुनिकीकरण में इजराइल की भूमिका भारत के लिए रणनीतिक रूप से अहम है।वहीं दूसरी ओर, फिलिस्तीन के साथ ऐतिहासिक रूप से भारत के संबंध रहे हैं। भारत ने लंबे समय तक दो राष्ट्र समाधान का समर्थन किया है। फिलिस्तीन को सर्वोच्च सज़्मान मिलना यह दर्शाता है कि भारत अपनी पारंपरिक नीति से विचलित हुए बिना इजराइल के साथ संबंध प्रगाढ़ कर सकता है। यह संतुलन भारत को पश्चिम एशिया में एक विश्वसनीय और स्वतंत्र शक्ति के रूप में स्थापित करता है।देखा जाये तो दोनों पक्षों से सर्वोच्च सज़्मान प्राप्त करना इस बात का संकेत है कि भारत ने किसी एक धुरी का हिस्सा बनने की बजाय बहु आयामी कूटनीति अपनाई है। एक ओर भारत इजराइल के साथ नवाचार, कृषि, जल प्रबंधन और रक्षा सहयोग को आगे बढ़ा रहा है, वहीं दूसरी ओर वह फिलिस्तीन के विकास, मानवीय सहायता और शांति प्रक्रिया के समर्थन में भी सक्रिय है। यह संतुलित रुख भारत को ग्लोबल साउथ की आवाज के रूप में भी मजबूत करता है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत का यह संदेश महत्वपूर्ण है कि आतंकवाद के खिलाफ कठोर रुख और शांति प्रक्रिया के समर्थन को साथ साथ आगे बढ़ाया जा सकता है।बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी को इजराइल और फिलिस्तीन दोनों से मिले सर्वोच्च सज़्मान भारत की उभरती वैश्विक भूमिका का प्रतीक हैं। यह दर्शाता है कि नई दिल्ली अब क्षेत्रीय राजनीति में संतुलनकारी शक्ति के रूप में देखी जा रही है। आने वाले समय में यह संतुलन भारत की ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा और सामरिक हितों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

डिजिटल दुनिया के बेताज बादशाह बने पीएम मोदी, इंस्टाग्राम पर 10 करोड़ फॉलोअर वाले दुनिया के पहले नेता

नयी दिल्ली२६/०२ (संवाददाता):प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया की दुनिया में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वह फोटो शेयरिंग प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर 10 करोड़ फॉलोअर का आंकड़ा पार करने वाले विश्व के पहले राजनेता बन गए हैं। अधिकारियों द्वारा बृहस्पतिवार को साझा की गई यह जानकारी प्रधानमंत्री की बेजोड़ वैश्विक पहुंच और युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता को प्रमाणित करती है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 2014 में इंस्टाग्राम से जुड़े थे और पिछले एक दशक में उनका अकाउंट वैश्विक नेताओं के बीच सबसे अधिक सक्रिय डिजिटल मंच में से एक बन गया है। वैश्विक नेताओं में मोदी के 'इंस्टाग्राम' पर अब सबसे अधिक फॉलोअर हैं। सोशल मीडिया मंच पर उनके फॉलोअर की संज़्या अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फॉलोअर से दोगुनी से

भी अधिक है।

अधिकारियों ने बताया कि अगले पांच प्रमुख विश्व नेताओं के फॉलोअर की कुल संज़्या भी मोदी के फॉलोअर की संज़्या से कम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 4.32 करोड़ फॉलोअर के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

ट्रंप के बाद इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के 1.5 करोड़ फॉलोअर हैं, जबकि ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा के 1.44 करोड़ फॉलोअर हैं।

इसके बाद तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन का स्थान आता है जिनके 1.16 करोड़ फॉलोअर हैं जबकि अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के 64 लाख फॉलोअर हैं। अधिकारियों ने कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी की बेजोड़ वैश्विक पहुंच और दुनिया भर के युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता को रेखांकित करता है।

भारत में भी फॉलोअर की संज़्या के मामले में अंतर काफी बड़ा है, ज़्योंकि इंस्टाग्राम पर मोदी अन्य भारतीय नेताओं से काफी आगे हैं। उनके बाद दूसरे स्थान पर उज़र प्रदेश के मुज़्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं जिनके लगभग 1.61 करोड़ फॉलोअर हैं, उनके बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगभग 1.26 करोड़ फॉलोअर के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

प्रधानमंत्री मोदी 2014 में इंस्टाग्राम से जुड़े थे। पिछले 12 वर्षों में उनका अकाउंट केवल सरकारी सूचनाओं का जरिया नहीं, बल्कि उनकी व्यक्तिगत शैली, कूटनीतिक दौरों और आम जनमानस से जुड़ाव का एक जीवंत माध्यम बन गया है।

अधिकारियों का कहना है कि यह उपलज़्धि न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर के युवाओं के बीच उनकी स्वीकार्यता को दर्शाती है। सरकारी अधिकारी 卐यह प्रधानमंत्री मोदी की बेजोड़ वैश्विक पहुंच और दुनिया भर के युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता का स्पष्ट प्रमाण है।

जवाहरलाल नेहरू के कार्यालय में सक्रिय थे विदेशी जासूस-संबित पात्रा

नयी दिल्ली २६/०२ (संवाददाता): आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समिट को लेकर जारी खींचतान के बीच, भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि नेहरू ने हमेशा एक ब्रिटिश की तरह व्यवहार किया और जानबूझकर ऐसी गलतियां कीं जिससे देश की सुरक्षा और हितों के साथ समझौता हुआ।नई दिल्ली स्थित भाजपा मुज़्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, पार्टी सांसद संबित पात्रा ने नेहरू काल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि उस समय भारत का सचिवालय विदेशी खुफिया एजेंसियों का अड्डा बन गया था। पात्रा ने आरोप लगाया कि नेहरू के विशेष सहायक एम.ओ. मथाई एक अमेरिकी एजेंट के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने दावा किया कि

1960 के दशक में रूस की खुफिया एजेंसी चत्तक्क के एजेंट भी नेहरू के कार्यालय में सक्रिय थे। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, उस समय यह कहा जाता था कि विदेशी शक्तियों को जो भी गुप्त दस्तावेज चाहिए होते थे, वे नेहरू के कार्यालय से आसानी से उपलज़्ध हो जाते थे।उन्होंने कहा, ष्ट्ढ्ढ की समझौता किए गए चाचा% के सेक्रेटेरिएट में इतनी मज़बूत पकड़ थी कि उनके स्पेशल असिस्टेंट या स्पेशल सेक्रेटरी, जिनका नाम रूह्ल मथाई था, को अमेरिकन एजेंट कहा जाता था और 1960 के दशक में, चत्तक्क जो एक रशियन एजेंसी है, के एजेंट भी चाचा समझौता किए गए के ऑफिस में मौजूद रहते थे।उन्होंने आगे कहा, तो चाहे रूह्ल मथाई हों या चत्तक्क के एजेंट, ष्ट्ढ्ढ और चत्तक्क की चाचा नेहरू के ऑफिस में मज़बूत पकड़ थी, और 1960 और 1970 के दशक में, नेहरू के राज के बारे में कहा जाता था कि विदेशी सरकार को जिस भी डॉज़्यूमेंट की ज़रूरत होती थी, वह स्र और रूस के लिए आसानी से मिल जाता था। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, पात्रा ने आरोप लगाया कि पंचशील समझौते के तहत तिज़्बत चीन को गिफ्ट कर दिया गया था। उन्होंने दावा किया कि नेहरू को ढ्ढक्क ने अज़्साई चिन में चीन द्वारा सड़क बनाने के बारे में बताया था, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री ने इसे पूरी तरह से नज़रअंदाज़ कर दिया। पात्रा ने कहा कि नेहरू चीन को बचाने की कोशिश कर रहे थे।उन्होंने 1962 के युद्ध में चीन से भारत की हार के लिए भी नेहरू को दोषी ठहराया, ज़्योंकि उन्होंने अपने रिश्तेदार जनरल बीएम कौल को चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ नियुक्त किया था और फॉरवर्ड पॉलिसी अपनाई थी।पात्रा ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल सरकार को बताए बिना, नेहरू ने बेरुबारी पाकिस्तान को गिफ्ट कर दिया था। ब्द्धछ्वक्क नेता ने कहा, 卐सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद, नेहरू ने 9वें कॉन्स्टिट्यूशनल अमेंडमेंट के ज़रिए बेरुबारी पाकिस्तान को दे दिया,卐 और कहा कि उस समय उनके किए गए समझौतों की वजह से भारत अब परेशान है।

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की किताब पर लगाया पूर्ण प्रतिबंध, केंद्र को फटकार

नयी दिल्ली २६/०२ (संवाददाता): सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की सामाजिक विज्ञान की उस किताब पर पूर्ण और निरपेक्ष प्रतिबंध लगा दिया है, जिसमें %न्यायपालिका में भ्रष्टाचार% नामक एक अध्याय शामिल था। न्यायालय ने इस मामले को गहरी साजिश करार देते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव और एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।केंद्र ने आज सुप्रीम कोर्ट को बताया कि जो लोग %ज्यूडिशियरी करप्शन% पर चैप्टर का ड्राफ्ट बनाने में शामिल हैं, वे ह्रष्ट या किसी भी मिनिस्ट्री के साथ काम नहीं करेंगे। केंद्र ने बिना शर्त माफी भी मांगी है, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, एक सुओ मोटो केस में, हम बिना शर्त माफी मांगते हैं। इस बीच, चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने पलटवार करते हुए कहा, मीडिया में हमारे दोस्तों ने यह नोटिस भेजा है। इसमें माफी का एक भी शज़्द नहीं

है।जब स्त्र मेहता ने कहा कि 32 किताबें बिक चुकी थीं लेकिन अब इसे वापस ले लिया गया है, तो ष्टछ्वढ्ढ ने कहा कि यह जानबूझकर किया गया कदम था। ष्टछ्वढ्ढ ने कहा, 卐पूरी टीचिंग कज़्युनिटी को बताया जाएगा कि इंडियन ज्यूडिशियरी करप्ट है और केस पेंडिंग हैं... फिर स्टूडेंट्स, और फिर पेरेंट्स। यह एक गहरी साज़िश है।हृष्टश्वक्रञ्ज की सोशल साइंस बुक के ज्यूडिशियल करप्शन चैप्टर में कहा गया है कि करप्शन, केसों का बहुत बड़ा बैकलॉग, और जजों की सही संज़्या की कमी ज्यूडिशियल सिस्टम के सामने आने वाली चुनौतियों में से हैं। नई बुक में कहा गया है कि जज एक कोड ऑफ़ कंडज़्ट से बंधे होते हैं जो न केवल कोर्ट में उनके व्यवहार को बल्कि कोर्ट के बाहर उनके व्यवहार को भी कंट्रोल करता है।चैप्टर में लिखा है, लोग ज्यूडिशियरी के अलग-अलग लेवल पर करप्शन का अनुभव करते हैं। गरीबों और ज़रूरतमंदों के लिए, यह न्याय तक पहुंच की समस्या को और खराब कर सकता है। इसलिए, स्टेट और यूनियन लेवल पर ज्यूडिशियल सिस्टम में भरोसा बनाने और ट्रांसपेरेंसी बढ़ाने के लिए लगातार कोशिशें की जा रही हैं.

शिमला से दिल्ली तक हाई-वोल्टेज ड्रामा! युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरज़्तारी पर भिड़ीं दो राज्यों की पुलिस, 24 घंटे बाद गतिरोध समाप्त

नयी दिल्ली २६/०२ (संवाददाता): राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'एआई इज़्पैज़्ट समिट' के दौरान हुए विरोध प्रदर्शन का मामला अब दो राज्यों की पुलिस के बीच टकराव का कारण बन गया है। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में बुधवार को दिल्ली पुलिस और स्थानीय पुलिस के बीच करीब 24 घंटे तक चला गतिरोध आखिरकार बृहस्पतिवार तड़के समाप्त हुआ। इस ड्रामे के बाद दिल्ली पुलिस तीन आरोपियों को लेकर दिल्ली रवाना हो सकी। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय युवा कांग्रेस के तीन कार्यकर्ताओं - सौरभ, सिद्धार्थ और अरबाज को दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रोहड़ू उपमंडल के एक होटल से पकड़ा था। यहां एसीजेएम से ट्रांजिट रिमांड हासिल करने के बाद भी दिल्ली पुलिस को करीब पांच घंटे तक रोककर रखा गया।

दिल्ली पुलिस हिरासत में लिए गए युवा कांग्रेस के तीनों कार्यकर्ताओं को बुधवार शाम राष्ट्रीय राजधानी लेकर जा रही थी, तभी हिमाचल प्रदेश पुलिस ने शिमला के पास शोघी सीमा

पर उनके वाहनों को रोक लिया। दिल्ली पुलिस के कर्मियों के उनके खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया गया। बुधवार देर रात शिमला के दीनदयाल उपाध्याय जोनल अस्पताल में आरोपियों की मेडिकल जांच के बाद उन्हें दिल्ली पुलिस के कर्मियों के साथ देर रात डेढ़ बजे अतिरिक्त मुज़्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम द्वितीय) एकांश कपिल के आवास पर ले जाया गया।

दिल्ली पुलिस को ट्रांजिट रिमांड मिल गई और पुलिस दल दिल्ली के लिए रवाना हुआ। हालांकि, रास्ते में शिमला के पास कानलोग में दिल्ली पुलिस के दल को एक बार फिर रोका गया। कुछ पुलिसकर्मियों को आरोपियों के साथ दिल्ली लौटने का निर्देश दिया गया, जबकि बाकी पुलिसकर्मियों को वहीं रुकने और उनके खिलाफ दर्ज अपहरण के मामले की जांच में सहयोग करने के लिए कहा गया।

शिमला पुलिस ने दिल्ली की टीम के पास मौजूद डिजिटल साक्ष्य की प्रति भी सौंपने को कहा, जिन्हें तीनों कार्यकर्ताओं को राज्य के रोहड़ू में गिरज़्तारी के दौरान कथित रूप से जमा किया गया। दिल्ली पुलिस ने इस बात पर जोर दिया कि तीनों आरोपियों की हिफाजत उनकी जिज़्मेदारी है और वे अपने किसी सदस्य को नहीं छोड़ेंगे। इसके बाद वे शोघी की तरफ रवाना हुए।

हालांकि, शिमला पुलिस ने तड़के करीब चार बजे शोघी सीमा पर दिल्ली पुलिस की टीम को फिर रोक लिया। इसके बाद दिल्ली पुलिस के पास मौजूद डिजिटल साक्ष्यों को लेकर गतिरोध की स्थिति बनी रही। दिल्ली पुलिस के सहायक पुलिस आयुक्त राहुल विक्रम ने बाद में मीडिया से कहा कि शिमला पुलिस कानूनी तौर पर डिजिटल सबूत या उनकी गाड़ी ज़ज़्त नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि अगर शिमला पुलिस को सबूत चाहिए तो उन्हें लिखकर अनुरोध करना होगा। इसके बाद दिल्ली की टीम वहां से निकल गई।

दिल्ली पुलिस अब आरोपियों को राष्ट्रीय राजधानी में स्थानीय मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश कर सकती है और उनकी रिमांड मांग सकती है। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 20 फरवरी को कमीज उतार कर किए गए विरोध प्रदर्शन ने सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल पैदा किए। इस घटना के बाद पुलिस ने पहले भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत दंगा करने और वैमनस्य फैलाने सहित विभिन्न आरोप लगाए थे। अधिकारियों ने बताया कि विशेष प्रकोष्ठ ने विशिष्ट जानकारी और तकनीकी निगरानी के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों का पता लगाया। मामले में मंगलवार को भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब और पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता भूदेव शर्मा को गिरज़्तार किया गया। दोनों को दिल्ली की एक अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

शरीर में हार्मोन संतुलित करने के लिए रोज सुबह जरूर पिएं ये ड्रिंक, दूर होंगी कई समस्याएं

स्वस्थ रहने के लिए शरीर में हार्मोन्स का बैलेंस रहना भी बेहद जरूरी होता है। अगर आपके हार्मोन्स असंतुलित हो गए हैं तो संभव है कि आपको स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसे बैलेंस रखने के लिए लोग तरह-तरह के नुस्खे अपनाते हैं। कुछ लोग तो इसके लिए दवाओं का भी सेवन करते हैं। जबकि आप घर पर बनी मात्र एक हेल्दी ड्रिंक पीकर भी हार्मोन्स को बैलेंस कर सकते हैं। आइये डाइटिशियन ऋचा गंगानी से जानते हैं इस ड्रिंक को पीने से हार्मोन्स कैसे नियंत्रित होते हैं और इसे बनाने का तरीका।

कैसे बनाएं ये ड्रिंक?

- यह ड्रिंक बनाना काफी आसान है। इसे आप घर पर आसानी से बना सकते हैं।
- इस ड्रिंक को बनाने के लिए आपको घी और नारियल का तेल लेना है।
- अब इसके बाद आपको हल्दी और काली मिर्च लेनी है।
- यह सामाग्रियां जुटाने के बाद आपको एक गिलास पानी गर्म करना है।
- अब गर्म पानी में सबसे पहले एक चम्मच घी मिलाएं। इसके बाद इसमें अन्य सामग्रियां डालें।
- इस ड्रिंक एक साथ मिलाकर आप सुबह खाली पेट इसे पी सकते हैं।

हार्मोन्स बैलेंस करने में मददगार

अगर आपको हार्मोनल इंबैलेंस की समस्या है तो ऐसे में इस ड्रिंक को जरूर पिएं। इसमें घी और हल्दी की मात्रा होती है, जो शरीर में हार्मोन्स के उत्पादन को कंट्रोल करने के साथ ही उसे बैलेंस रखने में भी मदद करती है। यह ड्रिंक शरीर में होने वाले ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस और सूजन को कम करके हार्मोन्स के इंबैलेंस को कम करने में मददगार साबित होती है। सुबह के समय घी खाने से शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन्स का लेवल बैलेंस रहता है।

इस ड्रिंक को पीने के अन्य फायदे

- यह ड्रिंक सेहत के लिए अन्य भी कई तरीकों से फायदेमंद साबित होती है।
- अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो भी इस ड्रिंक को पी सकते हैं।
- इसे पीने से पाचन प्रक्रिया तेज होने के साथ ही मेटाबॉलिज्म भी दुरुस्त रहता है।
- इस ड्रिंक को पीने से शरीर की थकान दूर होती है साथ ही उर्जा की कमी महसूस नहीं होती है।

पूरी सर्दी खा लें हरी प्याज, कैंसर से लेकर हार्ट डिजीज तक हर बीमारी होगी दूर

हरी प्याज, जिसे स्प्रिंग अनियन भी कहा जाता है, पोषक तत्वों से भरपूर है। यह आंखों की रोशनी बढ़ाने, कैंसर का जोखिम कम करने, पाचन में सुधार, दिल की सेहत बेहतर बनाने और स्किन को जवां रखने में मदद करता है। इसमें विटामिन ए, सी, सल्फर, फाइबर और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं।

प्याज की अलग अलग वैरायटी होती है और उनमें से एक है हरी प्याज यानि स्प्रिंग अनियन। इसका सेवन करने से आपके शरीर को काफी सारे लाभ मिल सकते हैं। यह खाने में भी स्वादिष्ट होता है। इस का प्रयोग करके आप किसी भी बोरिंग डिश को एक स्वादिष्ट व्यंजन बना सकते हैं जो स्वास्थ्य लाभों से भी भरपूर होगी। इसको तड़के में प्रयोग कर सकते हैं या बाद में सब्जी में भी डाला जा सकता है। हरी प्याज का सेवन करने से आपकी आंखों को भी लाभ मिलते हैं।अगर आप ऐसे व्यक्ति हैं जिसे सब्जियां खानी इतनी पसंद नहीं है, तो आप को एक बार हरी प्याज वाली किसी डिश का सेवन करना चाहिए और आप अपना मन चुटकियों में बदल लेंगे। आइए जान लेते हैं हरी प्याज खाने के स्वास्थ्य लाभों के बारे में। कैंसर और हार्ट डिजीज के खतरे को कम किया जा सकता है।

आंखों के लिए लाभदायक

हरे प्याज में विटामिन ए होता है और यह आपकी आंखों के लिए काफी जरूरी होता है। इसका सेवन करने से आंखों की इन्फ्लेमेशन और मैक्यूलर डिजेनरेशन नाम जैसी स्थितियों से राहत मिलती है जो ऐसे डिसऑर्डर होते हैं जिनसे आप की आंखों की रोशनी भविष्य में जा भी सकती है। इसमें लूटेन जैसे कार्टनॉइड होते हैं जो आपकी आंखों को मजबूत बनाने में काफी सहायक माने जाते है।

पाचन में मदद करता है

हरे प्याज का सेवन करने से आपको पाचन में भी लाभ मिलता है। आप हरे प्याज का सेवन स्नैक के रूप में भी कर सकते हैं। इनमें फाइबर की अच्छी खासी मात्रा होती है और पाचन को सुधारने में भी मदद करते हैं। अगर आप को गैस, एसिडिटी, कब्ज जैसी समस्या है तो आप इसका सेवन कर सकते हैं। हरे प्याज का सेवन करने से आपका पाचन तंत्र काफी एक्टिव हो जाता है और ब्लॉटेड इंटेस्टाइन में मदद करता है। आपको अगर पाचन से जुड़ी समस्याएं हैं तो दिन में 20 से 30 ग्राम स्प्रिंग अनियन का सेवन जरूर करें।

कैंसर के रिस्क को करते हैं कम

एन सी बी आई के मुताबिक हरे प्याज में सल्फर पाया जाता है जो आपके शरीर के लिए लाभदायक तत्व होता है। इसका सेवन करने से कैंसर होने का रिस्क कम हो सकता है। इसमें फ्लेवोनॉयड और अली सल्फाइड जैसे तत्व होते हैं जो ऐसे एंजाइम को बढ़ने से रोकते हैं जो कैंसर सेल्स बना सकते हैं। इसलिए अगर अपना कैंसर होने का रिस्क कम करना चाहते हैं तो आप को अपनी रोजाना की डाइट में हरे प्याज को शामिल करना शुरू कर देना चाहिए।

स्किन के लिए लाभदायक

स्प्रिंग अनियन का सेवन करना आपकी स्किन के लिए भी काफी लाभदायक होता है। इसका सेवन करने से स्किन रेडिएंट रहती है। इसमें विटामिन सी होता है और यह शरीर में कॉलेजन की मात्रा को बढ़ाने में मदद करता है। अगर आप एजिंग के लक्षण देर से आएं, यह चाहती है तो अपनी रोजाना की डाइट में हरे प्याज को जरूर शामिल करें। इसका सेवन करने से स्किन स्मूद होती है और झुर्रियां कम होती हैं। साथ ही कॉलेजन के उत्पादन से आप को जल्दी एजिंग लक्षण नहीं देखने को मिलते हैं और स्किन काफी जवान और स्मूद लगती है।

दिल के लिए लाभदायक

हरे प्याज का सेवन करना दिल की सेहत के लिए भी काफी लाभदाई हो सकता है। इसमें प्राकृतिक रूप से पोटेशियम पाया जाता है और यह ब्लड प्रेशर को नॉर्मल बनाने में भी मदद करता है। यह आपके शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। LDL कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने में सहायक होते हैं। इसका सेवन करने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का रिस्क काफी हद तक कम हो सकता है।

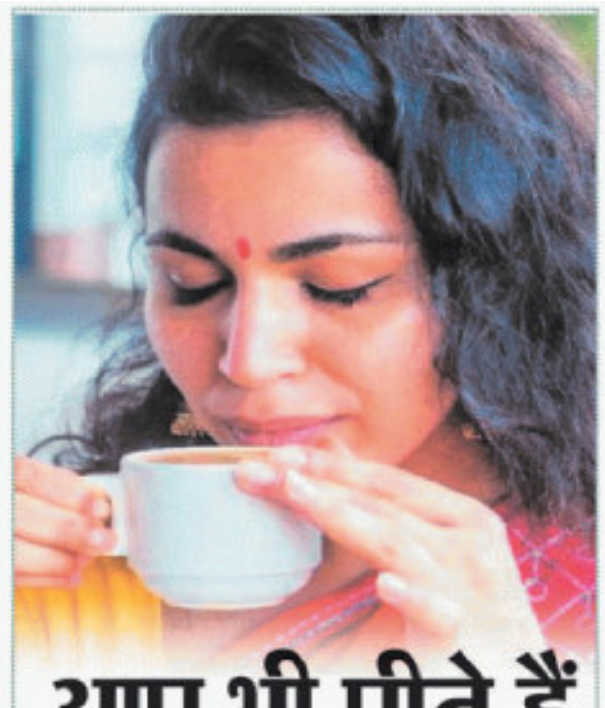

आप भी पीते हैं नमक वाली चाय?

जानें इससे होने वाले गंभीर नुकसान

चाय भारत में पानी के बाद सबसे ज्यादा पी जाने वाली ड्रिंक है। इसका सेवन बड़े-बूढ़ों से लेकर बच्चे भी करते हैं। चाय का मार्केट इतना बड़ा है कि दुनियाभर में अलग-अलग तरह की चाय मिलती है। आमतौर पर लोग दूध वाली चाय का ही सेवन करते हैं। भारत में मसाला चाय और हर्बल चाय का भी चलन है। सावधानीपूर्वक और सही तरीके से चाय का सेवन करने से शरीर को फायदे भी मिलते हैं। लेकिन गलत तरीके से इसका सेवन करना सेहत के लिए गंभीर होता है। चाय का सेवन करने वाले कुछ लोग इसमें नमक मिलाकर भी पीते हैं। नमक वाली चाय सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकती है।

चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीने से अपच, एसिडिटी और ब्लड प्रेशर समेत कई गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

नमक वाली चाय पीने के नुकसान

नमकीन चाय एक प्रकार की चाय है जिसमें नमक और अन्य मसाले डाले जाते हैं। अक्सर लोग चाय बनाते समय दूध के साथ कुछ मात्रा में नमक भी डाल देते हैं। सर्दी-जुकाम या इन्फेक्शन होने पर भी लोग नमकीन चाय का सेवन करते हैं। नवलीनिकल डाइटिशियन कहते हैं, चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीना नुकसानदायक होता है। नमक वाली चाय का सेवन करने से कई गंभीर नुकसान का खतरा रहता है। इसलिए चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीने से बचना चाहिए। नमक वाली चाय पीने के नुकसान इस तरह से हैं-

हाई ब्लड प्रेशर - दूध वाली चाय में नमक डालकर पीने से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा रहता है। नमक ज्यादा खाने से ब्लड में नाट्रियम की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे बीपी बढ़ सकता है।

शरीर में पानी भरना - नमक वाली चाय का ज्यादा सेवन करने से शरीर में पानी भर सकता है। इसकी वजह से पेशाब की समस्या भी हो सकती है।

गैस और एसिडिटी - नमक के अधिक सेवन से पाचन तंत्र में समस्याएं हो सकती हैं, जिससे गैस और एसिडिटी का खतरा रहता है। यह पेट में असहजता और तकलीफ का कारण बन सकता है।

पाचन तंत्र के लिए हानिकारक - नमकीन चाय का अधिक सेवन करने से पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचता है। इससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

शरीर में पानी की कमी - नमक के अत्यधिक सेवन से शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है, जिससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

नुकसान से कैसे बचें?

नमक वाली चाय का सेवन शरीर में ऊपर बताई गई समस्याओं का कारण हो सकता है। इसके अलावा चाय का भी ज्यादा मात्रा में सेवन करने से कई गंभीर नुकसान होने का खतरा रहता है। चाय पीने की वजह से होने वाले नुकसान से बचने के लिए हेल्दी डाइट और एक्टिव लाइफस्टाइल अपनानी चाहिए। इसके नुकसान से बचने के लिए डाइट में फल, सब्जी और हेल्दी चीजों को शामिल करें। नियमित रूप से व्यायाम और एक्सरसाइज का अभ्यास करने से भी इसके नुकसान को कम करने में मदद मिलती है।

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर क्या है?

जानें बच्चों में दिखाई देने वाले इसके लक्षण

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर एक चिंता का विषय है। ट्रॉमा स्वयं विभिन्न रूपों में प्रकट हो सकता है। कई बार बचपन में कुछ बच्चों ऐसी घटना का सामना करना पड़ता है, जिसका असर उन्हें बाद तक महसूस होता है। इसका प्रभाव बच्चे के जीवन में कई तरह की नकारात्मकता को ला सकता है। इसकी वजह से बच्चे के मानसिक विकास प्रभावित होता है। बच्चा अन्य बच्चों की तुलना में पिछड़ सकता है। इस लेख में आगे जानेगें कि डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर क्या है। इस दौरान कैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

इस स्थिति में बच्चों को घर के सदस्य या करीबी से मानसिक समस्या हो सकती है। डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर (डीटीडी) में बच्चे की भावनाओं पर बुरा असर पड़ता है। डीटीडी प्रतिकूल परिस्थितियों, जैसे दुर्व्यवहार, उपेक्षा, या घरेलू वातावरण में अस्थिरता के कारण हो सकता है। डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर के कारण अलग-अलग हो सकते हैं, जो अक्सर सामाजिक-आर्थिक और पारिवारिक स्थितियों से जुड़े होते हैं। बच्चे अक्सर शारीरिक, भावनात्मक या यौन शोषण के साथ-साथ अपने करीबी के द्वारा उपेक्षा या छोड़ने के चलते डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर महसूस कर सकते हैं।

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर के लक्षण

लोगों के साथ जुड़ने में मुश्किल होना

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर का एक प्रमुख लक्षण है कि बच्चे देखभाल करने वालों या अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं। बच्चे किसी पर ट्रस्ट नहीं कर पाते हैं। इसका असर बच्चे के सामाजिक और भावनात्मक डेवलपमेंट में भी पड़ सकता है।

भावनात्मक विकृति

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर वाले बच्चे अक्सर अपनी भावनाओं को नियंत्रित नहीं कर पाते हैं, तेजी से मूड स्विंग्स, क्रोध या आक्रामकता जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। यह बच्चे के ट्रॉमा की वजह से उत्पन्न होता है। बच्चे किसी से बात नहीं कर पाते हैं।

हमेशा डर में रहना

ट्रॉमा के अपने पिछले अनुभवों के कारण, बच्चे अक्सर अपने वातावरण में संभावित खतरों के प्रति अतिसतर्कता और बढ़ी हुई संवेदनशीलता प्रदर्शित करते हैं। वे अपरिचित स्थितियों या व्यक्तियों से अत्यधिक सावधान हो सकते हैं। किसी कार्य को वह बार-बार टालने लगते हैं।

कॉग्नेटिव माइंड पर असर

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर में बच्चे के संज्ञानात्मक कामकाज (कॉग्नेटिव माइंड) प्रभावित हो सकता है, जिससे बच्चा केंद्रित करने, सीखने और जानकारी को याद नहीं रख पाता है। बच्चे की पढ़ाई में भी इसका असर पड़ता है।

व्यवहार में बदलाव

कुछ मामलों में, डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर वाले बच्चे अपने भावनात्मक दर्द से बचने के लिए आक्रमक हो जाते हैं। उनके व्यवहार गुस्से में बदलने लगता है। इसकी वजह से उनको घर के अन्य लोगों से डांट खाने को मिल सकती है।

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर एक जटिल और चुनौतीपूर्ण मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, जो प्रभावित बच्चों के जीवन पर गहरा प्रभाव डालती है। यदि, बच्चे में इस तरह के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

कलिंग समाचार

संपादकीय

शुक्रवार 27 फरवरी 2026

कांग्रेस- देर आयद दुरुस्त आयद

अपने दो दिवसीय गुजरात के दौरे पर राहुल गांधी ने जो कहा वह उन्हें काफी पहले कहना चाहिये था और अब वे जो करने का कह रहे हैं उन्हें बिना विल ब किये कर देना चाहिये। लोकसभा के भीतर राहुल ने भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती दी है कि कांग्रेस गुजरात में भाजपा को सत्ता से हटायेगी। लोकसभा चुनाव के बाद हुए चुनावों में कांग्रेस को वैसी सफलता नहीं मिली जो राहुल के दावे के आसपास भी कहीं हों। हालांकि राहुल ने जब भाजपा को हराने की बात कही थी तब उनका आशय विधानसभा चुनावों से था जो पहले ही हो चुके थे और अगला चुनाव होने में अभी काफी वक्त है। वह 2027 में होगा। विधानसभा 2027 और लोकसभा 2029 में। गुजरात में राहुल का दो दिन बिताना कई संकेत दे रहा है। पहला तो यह है कि अब कांग्रेस आखिरी ल हों में काम शुरू करने की बजाय काफी पहले से काम शुरू करने की आदत डाल रही है जो स भवतरू अपनी पिछली गलतियों से मिली सीख है। गुजरात में शुक्रवार को उन्होंने नेताओं और पार्टी सदस्यों से मैराथन मुलाकातें कीं। फिर दूसरे दिन ;शनिवारद्ध कार्यकर्ताओं को जो स बोधन किया‌ए वह बेहद महत्वपूर्ण है और उसका ताल्लुक केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। राहुल ने भीतरघात करने वाले कांग्रेसियों को साफ कर दिया कि श्वे भाजपा की बी.टीम बनकर काम करने की बजाय बाहर चले जायें।श् राहुल या कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व सामान्यतरू जो नहीं कहता था या अब तक नहीं कहा था वह पहली बार उन्होंने साफसाफ कह दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी हितों के खिलाफ काम करने वाले 10.20 ही नहीं 40 लोगों को भी निकालना पड़े तो उसके लिये संगठन तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि श्कांग्रेस के कार्यकर्ता बब्बर शेर हैं पर उन्हें बांधकर रखा गया है।श् उनका इशारा उन पदाधिकारियों और नेताओं की ओर था जो या तो निष्क्रिय हैं अथवा अपनी बातों या कामों से प्रत्यक्ष.परोक्ष व सायास.अनायास भाजपा की मदद करते हैं। सच यही है कि कांग्रेस अपनी अंदरूनी बीमारी से ल बे समय से जूझ रही है जिसने उसे बाहरी आक्रमणों की बजाय कहीं अधिक नुकसान पहुंचाया है। ऐसे लोगों की ल बी फेहरिस्त है जिनके कारण पार्टी को बड़ा नुकसान पहुंचा है। राजीव गांधी की मृत्यु के बाद से ही कांग्रेस की यह दिक्कत शुरू हो गयी थी। ऐसे वक्त में जब पूरी पार्टी को एकजुट होकर खड़े होना थाए सोनिया गांधी के विदेशी मूल को लेकर पार्टी के तीन बड़े नेताओं. शरद पवारए पीए संगमा और तारिक अनवर ने अलग होकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बना ली जो एक व्यर्थ की कवायद साबित हुई क्योंकि बाद में डॉण् मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व की दोनों यूनाइटेड प्रोग्रेसिव एलायंस सरकारों में एनसीपी शामिल हुई और अब वह प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया में है जिसका नेतृत्व कांग्रेस करती है। तारिक पार्टी में लौट आये जो अब कटिहार के सांसद हैं। जो नुकसान होना थाए हो गया क्योंकि पार्टी टूटी थी तथा विदेशी मूल के भाजपायी विमर्श को प्रोत्साहन मिला था। कांग्रेस की पिछले तीन.साढ़े तीन दशकों की यात्रा में कई लोगों ने अपने बयानों से पार्टी को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। यहां उन लोगों की बात नहीं हो रही है जिन्होंने खुद या उनके पुरखों ने कांग्रेस से सब कुछ पाया. पदए रूतबाए स पन्नताए लेकिन जब मोदी.शाह की जांच एजेंसियों का डंडा चलने का खतरा नज़र आयाए उन्होंने सीधे भाजपा कार्यालय का रूख किया। इनमें असम के मु यमंत्री हेमंता बिस्वा सरमा से लेकर महाराष्ट्र के पूर्व मु यमंत्री व आदर्श हाउसिंग सोसायटी घोटाले के आरोपी अशोक चव्हाण जैसे हैं जो ईडी की पहली घुड़की में ही पार्टी छोड़ गये। पार्टी के भीतर ही जी.23 जैसा आंतरिक गुट बनाया गया। कांग्रेस के पास जो बुद्धिजीवी हैं उनकी राजनीतिक समझ पर तरस ही खाया जा सकता है जो इस बात की तनिक भी सावधानी नहीं रखते कि उनके किस कहे.लिखे से दल को क्या नुकसान हो सकता है। जिस मणिशंकर अय्यर ने 2017 में मोदी के लिये अपमानजनक टिप्पणी कर लोकसभा ;2019द्ध में भाजपा को विक्टिम कार्ड खेलने का अवसर दिया थाए अब राजीव गांधी की शैक्षिक योग्यता पर बयान देकर उन लोगों को परेशानी में डाल रहे हैं जो मोदी की डिग्री को लेकर सवाल करते रहे हैं।

अंधविश्वासी विचारों का प्रचार करने वालों की साजिशों का पर्दाफाश होना चाहिए

डॉ. अरुण मित्रा

आस्था और विश्वास जो पहले एक व्यक्तिगत मामला हुआ करता थाए अब राज्य द्वारा कायम रखा जा रहा है। ऐसे आयोजनों का प्रबंधन आज तक धार्मिक संस्थाओं द्वारा किया जाता रहा हैए जबकि राज्य केवल सहायक सेवाएं ही प्रदान करता रहा है। लेकिन पिछले एक दशक में राज्य न केवल इन आयोजनों को बढ़ावा देने में शामिल रहा हैए बल्कि उन्हें मजबूत करने के लिए कथा.कथन भी गढ़ रहा है।

प्रयागराज में कुंभ स्थल पर गंगा नदी के पानी में उच्च स्तर के प्रदूषण की केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के बाद अब बिहार आर्थिक सर्वेक्षण ने एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें कहा गया है कि बिहार में अधिकांश स्थानों पर गंगा नदी का पानी स्नान के लिए भी उपयुक्त नहीं हैए क्योंकि इसमें जीवाणुओं की मात्रा बहुत अधिक है। यह अध्ययन बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा किया गया हैए जो नियमित रूप से गंगा नदी में प्रदूषण के स्तर की निगरानी करता है। प्रयागराज में बड़ी सं या में लोगों के एकत्र होने का संज्ञान लेते हुएए राष्ट्रीय हरित अधिकरण ;एनजीटीद्ध ने पहले चेतावनी दी थी कि कुंभ स्थल प्रयागराज का पानी अत्यधिक प्रदूषित है। उन्होंने बताया कि प्रदूषण की मात्रा अनुमेय सीमा से कहीं अधिक है और प्रदूषकों में मल का उच्च स्तर शामिल है। 16 फरवरीए 2025 को एनजीटी ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ;यूपीपीसीबीद्ध को उसकी खराब कार्रवाई के लिए फटकार लगायीए जिसके कारण 50 करोड़ लोगों ने न केवल अत्यधिक प्रदूषित पानी में स्नान कियाए जो कई बीमारियों का कारण बन सकता हैए बल्कि इससे भी बदतर यह कि लोगों को वह पानी पीना भी पड़ा। एनजीटी ने यह भी आशंका जतायी कि शायद यूपीपीसीबी किसी तरह के दबाव में है। कोई अश्चर्य नहीं कि एनजीटी की टिप्पणियों के बाद उत्तर प्रदेश के मु यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज का पानी पीने योग्य है। यह तब है जब केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ;सीपीसीबीद्ध ने पाया कि 12 जनवरी और उसके बाद 23 जनवरीए 2025 को निरीक्षण के दौरान कई निगरानी स्थलों पर पानी की गुणवत्ता घटिया पायी गयी। सीपीसीबी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कई स्थानों पर बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड ;बीओडीद्ध का स्तर सामान्य मानक तीन मिलीग्राम ;एमजीद्ध प्रति लीटर से अधिक पाया गया। उच्च बीओडी प्रदूषण के उच्च स्तर को इंगित करता हैए क्योंकि सूक्ष्मजीवों को पानी में कार्बनिक अपशिष्ट को विघटित करने के लिए अधिक ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। फेकलकोलीफॉर्म बैक्टीरिया का स्तर बहुत अधिक थाए जो मु य रूप से मानव और पशु मलमूत्र से आते हैं। इन बैक्टीरिया की मौजूदगी से पता चलता है कि पानी सीवेज से दूषित हैए जिससे टाइफाइडए डायरिया और हैजा जैसी जलजनित बीमारियों के फैलने की संभावना है। यह देखा गया कि कई स्थानों पर नालों से अनुपचारित अपशिष्ट जल सीधे गंगा में बह रहा था। जबकि कुछ नालों को टैप करके उपचारित किया जा रहा थाए लेकिन उपचार प्रक्रिया या तो आंशिक या अप्रभावी थी।

एनजीटी की रिपोर्ट लोगों को उस प्रदूषित पानी में डुबकी लगाने से पहले सावधानी बरतने की चेतावनी थी। यह एक विरोधाभास है कि वैज्ञानिक चेतावनी के बावजूद लोग अत्यधिक प्रदूषित पानी में नहाने और पीने के लिए उमड़ पड़े। लेकिन इस विश्वास के बिना कि कुंभ के दौरान डुबकी लगाने से उन्हें देवताओं का आशीर्वाद मिलेगाए इनमें से अधिकांश लोग ऐसे प्रदूषित जल स्रोतों के पास भी नहीं खड़े होंगे।

ऐसी आस्था और विश्वास जो पहले एक व्यक्तिगत मामला हुआ करता थाए अब राज्य द्वारा कायम रखा जा रहा है। ऐसे आयोजनों का प्रबंधन आज तक धार्मिक संस्थाओं द्वारा किया जाता रहा हैए जबकि राज्य केवल सहायक सेवाएं ही प्रदान करता रहा है। लेकिन पिछले एक दशक में राज्य न केवल इन आयोजनों को बढ़ावा देने में शामिल रहा हैए बल्कि उन्हें मजबूत करने के लिए कथा.कथन भी गढ़ रहा है। इतना अधिक कि कई बार संवैधानिक संस्थाओं के लिए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करना मुश्किल हो जाता है।

राजस्थान उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने कहा था कि मोरनी मोर के आंसू चाटने पर संतानों को जन्म देती है। जालंधर में आयोजित भारतीय विज्ञान कांग्रेस में आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति डॉण् नागेश्वर राव ने कहा था कि.100 कौरव इसलिए पैदा हुए क्योंकि हमारे पास इतना उन्नत विज्ञान था कि हम प्राचीन भारत में प्रत्यारोपण के लिए स्टेम सेल का इस्तेमाल करते थे।

12 अप्रैल 2017 को टाइ स ऑफइंडिया में प्रकाशित एक समाचार में चार सदस्यीय समिति ने सिफारिश की थी कि तथाकथित धर्मगुरु श्री श्री रविशंकर के आर्ट ऑफलिविंग ;एओएलद्ध फाउंडेशन को यमुना नदी तट को हुए श्वयापक और गंभीर नुकसानश् के लिए मर मत लागत के रूप में 100.120 करोड़ रुपये का भुगतान करना चाहिए। यह क्षति 2016 में दिल्ली में यमुना के तट पर एओएल द्वारा आयोजित सामूहिक उत्सव के कारण हुई थी। लेकिन एओएल ने इस आदेश का पालन नहीं कियाए क्योंकि उन्हें केंद्र सरकार का संरक्षण प्राप्त था।

सत्ता में बैठी सरकार द्वारा बार.बार अवैज्ञानिक कथा.कथन गढ़कर लोगों को मिथकों में उलझाए रखने का एक सूक्ष्म प्रयास किया जाता है। उदाहरण के लिएए गोमूत्र को कैंसर सहित विभिन्न बीमारियों के इलाज के रूप में प्रचारित किया जाता है। भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने कहा था कि गाय के मूत्र से उनका स्तन कैंसर ठीक हो गया। गाय के गोबर और पंचगव्य को कई बीमारियों के लिए पसंदीदा उपचार माना जाता है। साथ हीए गाय के गोबर में परमाणु विकिरणों से बचाने की शक्ति भी होती हैए उन्होंने कहा था।

उत्तराखंड के सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने जुलाई 2019 में कहा था कि गाय एकमात्र ऐसा जानवर है जो ऑक्सीजन सांस लेता और छोड़ता है और इस हवा को सांस के साथ लेने से लोगों की सांस की समस्या ठीक हो सकती है क्योंकि गाय श्प्राण वायुश् देती है।

राजस्थान उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने कहा था कि मोरनी मोर के आंसू चाटने पर संतानों को जन्म देती है। जालंधर में आयोजित भारतीय विज्ञान कांग्रेस में आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति डॉण् नागेश्वर राव ने कहा था कि.100 कौरव इसलिए पैदा हुए क्योंकि हमारे पास इतना उन्नत विज्ञान था कि हम प्राचीन भारत में प्रत्यारोपण के लिए स्टेम सेल का इस्तेमाल करते थे। आरोग्य भारती रति क्रीड़ा के दौरान विशिष्ट श्लोकों का जाप करके अनुकूलित शिशुओं के जन्म को बढ़ावा दे रही है। वास्तव में इस तरह की अवैज्ञानिक कथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के केंद्र में सत्ता में आने के तुरंत बाद गढ़ी गयी थी। अक्टूबर 2014 में मुंबई के एक अस्पताल के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने दावा किया था कि हाथी के सिर वाले हिंदू देवता गणेश प्राचीन भारत के प्लास्टिक सर्जरी के ज्ञान का प्रमाण थे। यह उनके बैंड वैगन को झूठी कहानियों का महिमामंडन करने का संकेत था। यह सब लगातार प्रयास लोगों को तर्कसंगत सोच से दूर रखने के लिए है।

लेकिन इस तरह के मिथकों और झूठ को हमेशा समय.समय पर चुनौती दी जाती रही है। प्राचीन भारत में एक ऋषि चार्वाक ने ब्रह्मांड और सामाजिक संबंधों के निर्माण की प्रचलित अवधारणा को चुनौती दी थी। उन्हें उनके विचारों के लिए जलाकर मार दिया गया था।

गैलीलियो ने पृथ्वी के चारों ओर सूर्य के घूमने के मिथक को चुनौती दीए भले ही उन्हें इसके लिए सताया गया था। सूफी संतों ने भी मिथकों के खिलाफ बात की। गुरु नानक देव ने उस समय मिथकों को चुनौती दी जब ऐसा करना बहुत मुश्किल था। अब जब हमारे पास आसपास हो रही घटनाओं के पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण हैंए तो यह हमारा कर्तव्य है कि हम निडर होकर उन लोगों के नापाक इरादों को उजागर करें जो विज्ञान का पूरा लाभ तो लेना चाहते हैं.

अंबानी के जंगल में मोदी

सर्वमित्रा सुरजन

वनतारा में मोदी को गोदी मीडिया वाले पत्रकारों को खिलाने जैसा आनंद भी आया। एक वीडियो आया है जिसमें मोदी शेर और सिंह शावकों को गोद में बिठाकर पुचकार रहे हैंए बोतल से दूध पिला रहे हैं। एक नन्हा सिंह तो दहाड़ने की कोशिश करता भी दिखा। नादान है उसे नहीं मालूम कि जिसकी गोद में बैठते हैंए उसके सामने न दहाड़ते हैंए न दहाड़ने का दिखावा करते है।

नरेन्द्र मोदी ने अपने आलोचकों को कड़ा जवाब दे दिया है। पिछले 11 सालों से वे सुन.सुन कर तंग आ गए थे कि मोदी साक्षात्कार से घबराते हैंए मोदी चीन को लाल आंखें नहीं दिखातेए मोदी ये नहीं करतेए मोदी वो नहीं करते। अब मोदी ने कुछ ऐसा कर दिखाया कि सबकी बोलती बंद हो गई। इस काम में उनके मित्र मुकेश अंबानी बड़े मददगार साबित हुए। हर कोई ट्रंप जैसा नहीं होताए जिनका नाम लेकर कांग्रेस ने तंज कसा था कि दुश्मन न करेए दोस्त ने वो काम किया हैण्। मुकेश भाई ने कैसेट पलट कर ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगेए बजा दिया। मोदी के दुश्मनों को आईना दिखाने के लिए उनसे अपने निजी जंगल वनतारा का उद्घाटन करवा दिया। वनतारा को दुनिया का सबसे बड़ा वन्यजीव बचाव और पुनर्वास केंद्र बताया जा रहा है। एक निजी जमीन पर बना जंगल और उसमें रखे गए जानवरों पर कई गंभीर सवाल उठ रहे हैंए लेकिन उसकी चर्चा बाद में।

पहले देख लेते हैं कि मोदीजी ने कैसे बुरी नजर वालों को अपनी टेढ़ी नजरें दिखा दीं। सोशल मीडिया में प्रधानमंत्री मोदी ने जानवरों के साथ अठखेलियां करतेए लाड़ करते.दुलारतेए निहारते कई तस्वीरें और वीडियो डाले हैं। मैन वर्सेज वाइल्ड की शूटिंग हुए छह साल बीत गएए लेकिन पिक्चर अभी बाकी है। वाइल्ड लाइफ का एडवेंचर जैसे आजकल नवधनाढ्यों के सिर पर सवार रहता हैए उसकी झलक मोदी के वनतारा एडवेंचर में देखने मिली।

यहीं उन्हें अपने आलोचकों का मुंह बंद करने का भी मौका मिलाए जो उन्हें डरपोक कहते थेए तंज कसते थे कि मोदी पत्रकारों का सामना नहीं कर सकते। लेकिन आलोचकों को ये नहीं पता था कि मोदी उनका सामना कर सकते हैंए जिसे दुनिया बब्बर शेर कहती है। मोदी अब कह सकते हैं कि जाओ जाकर राहुल के बब्बर शेरों को कह दो कि मैं असली बब्बर शेरों से मिलकर आया हूं। जाओ जाकर मुझसे सवाल पूछने के उत्सुक लोगों को कह दोए मैंने शेर और चीते का साक्षात्कार किया है। अब ये अलग बात है कि मोदी जब शेरए चीतेए सिंह सब से साक्षात मिल रहे थे तो बीच में एक कांच की दीवार थी। इधर से शेर अपना हाथ मारताए उधर से मोदी अपना हाथ देतेए दे ताली।

अगर पत्रकार भी इसी तरह कांच की दीवार के आर.पार साक्षात्कार लेने की कला सीख जाएंए तो फिर मोदी एक क्या सौ सवालों पर इसी तरह दे ताली कर देंगे। हाथों की कला तो उन्हें वैसे भी खूब आती है। अमेरिका में पत्रकार ने अडानी पर सवाल पूछा था तो उस वक्त दे ताली नहीं कर पाएए मगर हाथ नचा कर अच्छे से जवाब दे ही दिया था।

वनतारा में मोदी को गोदी मीडिया वाले पत्रकारों को खिलाने जैसा आनंद भी आया। एक वीडियो आया है जिसमें मोदी शेर और सिंह शावकों को गोद में बिठाकर पुचकार रहे हैंए बोतल से दूध पिला रहे हैं।

एक नन्हा सिंह तो दहाड़ने की कोशिश करता भी दिखा। नादान है उसे नहीं मालूम कि जिसकी गोद में बैठते हैंए उसके सामने न दहाड़ते हैंए न दहाड़ने का दिखावा करते है। इस मामले में अपनी मौसी बिल्ली से सीखने की जरूरत है। मोदी ने मेडागास्कर में पाए जाने वाले दुर्लभ लेमूर को भी अपनी गोद में बिठाकर खाना खिलाया। लेमूर वानर कुल का ही प्राणी है। कुशल मदारी अच्छे से जानता है कि अपने बंदर को कैसे नचाना हैए कब उसे खिलाना हैए कब उसके जरिए खिलवाड़ करके दिखाना है। वो तो मेनका गांधी ने अगर भालुओं और बंदरों की रक्षा का स्वघोषित जि मा नहीं उठाया होता तो आज सड़कों पर कई मदारी वनतारा से बेहतर मनोरंजन लोगों का कर के दिखाते लेकिन एक को विजेता बनाने के लिए सारों को रास्ते से हटा दिया गया।

खैरए करीब साढ़े तीन हजार एकड़ में बने अंबानी के इस जंगल में मोदी ने ढेर सारे जीव जंतुओं से मुलाकात की। थलचरए जलचरए नभचर सारे प्राणी परमात्मा के साक्षात अंश से मिलकर गदगद हुए होंगेए ऐसा मान लेना चाहिए। वर्ना जानवरों तो अपने जंगलराज में ही मगन रहते हैंए उन्हें कहां मौका मिलता है कि वो लोक राज के मुखिया से भी मिलें। हो सकता है मोदीजी ने उनकी भाषा में बताया भी हो कि अब बिहार में चुनाव होने हैंए और वहां हमें बार.बार जंगलराज की बात करनी पड़ती है। इसलिए आप लोग मुझे सीधे फर्स्ट हैंड जानकारी दें कि आपके असली जंगलराज में आखिर होता क्या है।

जैसे बिल गेट्स से एआई और एलन मस्क से सीधे एक्स और टेस्ला की जानकारी मोदी ले चुके हैंए वैसे ही अबकी बार जंगलराज से सीधा साक्षात्कारए का नारा वनतारा में उन्होंने बुलंद किया होगा। यहां मोदी को अजगरए ऊदबिलावए ओरंगुटानए दरियाई घोड़ाए लेमिंगो और शायद गिद्ध या बाज से भी मिलने का मौका मिला। सुअर शायद वनतारा में नहीं हैं या होंगे भी तो उनके साथ मोदी की तस्वीर देखने नहीं मिली। वैसे भी योगीजी ने तो बताया है कि गिद्ध और सुअर महाकुंभ पर नजर रखे थे।

मोदीजी ने शीशे के पुल पर खड़े होकर नीचे पानी में घड़ियालों को भी देखा। इस मुलाकात के वीडियो को देखकर समझना कठिन था कि कौन किसको देखकर चुनौती महसूस कर रहा है। हाल.फिलहाल कोई चुनाव नहीं हैए न ये कोई विदेशी दौरा थाए जहां सबके सामने आंसू बहाने की जरूरत पड़े। अगर ऐसी नौबत आतीए तब तो घड़ियाल सोचते कि अच्छा है हम पानी में ही ठीक हैंए कम से कम यहां मुंह छिपा कर अपने आंसू भी छिपा लेंगेए बाहर रहते तो आंसू बहाने की प्रतियोगिता में हार ही जाते। मोदीजी को वनतारा के लेमिंगों के बीच जाकर अपनेपन का खासा अहसास हुआ होगा। नारंगी लेमिंगों को क्या पता कि उनका रंग देश में कितना सियासी रसूख रखता है। वैसे कानपुर के चिड़ियाघर में रखे गए सारस को बेहद अफसोस हो रहा होगा कि अंबानी की मेहरबान नज़रें उस पर क्यों नहीं पड़ीं। आरिफ ने तो उस सारस के साथ खूब दोस्ती निभाईए लेकिन यहां पशु पक्षियों के संरक्षण और बचाव के लिए बनाए गए कठिन वन्य कानून आड़े आ गए और आरिफ से उस सारस को न केवल अलग कर दिया गयाए बल्कि अब आरिफ को सारस से मिलने की भी इजाज़त नहीं हैए क्योंकि पिंजरे में कैद सारस आरिफ को देखकर मिलने के लिए तड़पने लगता है।

दो साल पहले उसे वन अधिकारियों ने आरिफ से अलग कर दिया थाए अब तो न जाने किस हाल में होगा। मालूम नहीं मोदीजी की वनतारा में किसी जानवर से ऐसी ही पक्की वाली निस्वार्थ दोस्ती हुई या नहींए क्योंकि अगर वहां कोई जानवर मोदी से मिलने तड़पे तो उसमें तो कोई वन्य कानून आड़े नहीं आएगा। वैसे भी जब दुनिया भर से चुन.चुन कर जानवरों को वनतारा में रखा जा सकता हैए तो क्या राष्ट्रीयए क्या अंतरराष्ट्रीय किसी कानून के बारे में पूछने का मतलब ही नहीं रह जाता। छोटेए बड़ेए शाकाहारीए मांसाहारीए लुप्तप्रायए दुर्लभ तमाम तरह के जानवर गुजरात ऐसे ही तो नहीं पहुंचे होंगेए इन्हें अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से गुजारते हुए लाया गयाए रखा गयाए पाला गया। यह सब करने के लिए किस तरह राष्ट्रीयए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सरकारों की स्वीकृति मिलीए यह बड़ा सवाल है।

अब मोदी वहां अपनी पूरी कैमरा टीम के साथ पहुंचेए तरह.तरह से फोटो शूट हुए। क्या हम किसी राष्ट्रीय अभयारण्य में इतनी मनमर्जी से टहल सकते हैं। वैसे जंगली जानवर इंसानों से घुलना.मिलना पसंद नहीं करतेए लेकिन यहां पालतुओं की तरह उन्हें हाथ से खिलाया.पिलाया गया और वीडियो भी बनवाए गएए क्या इसमें नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ।

बहुत से जानवरों का इलाज यहां हो रहा हैए जिनका मुआयना भी मोदी ने किया। किसी की जान बचाना सही हैए लेकिन क्या जब ये जानवर ठीक हो जाएंगे तो क्या उन्हें वापस उनके अपने घर में छोड़ा जाएगा या ये वनतारा की ही संपत्ति कहलाएंगे। इस संपत्ति का क्या कोई व्यापारिक लाभ भी आगे लिया जाएगाए क्योंकि दुनिया में जानवरों की खालए हड्डीए नाखूनए सींगए फर सबकी बड़ी मांग हैए इसलिए इनका शिकार होता है और इनकी रक्षा के लिए ही तमाम कानून बने हैं। अब उन कानूनों का क्या होगा वनतारा की निगरानी का हक क्या सरकार के वन मंत्रालय को होगा। ऐसे कई सवाल हैंए जो मोदी जी से साक्षात्कार में पूछे जा सकते हैं। पर इसके लिए शीशे की दीवार का इंतजाम करना होगाए मोदी तभी सामने आएंगे।

विविध समाचार

पंजाब सरकार का बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, कई आईएएस–पीसीएस अधिकारियों के तबादले

चंडीगढ २६/०२ (संवाददाता): पंजाब सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए कई आईएएस और पीसीएस अधिकारियों के तबादले और नई तैनातियां की हैं। इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं और सभी संबंधित अधिकारियों को तुरंत अपने नए पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार की ओर से जारी आदेश के अनुसार, 2021 बैच की आईएएस अधिकारी अक्षिता गुप्ता, जो अब तक नगर निगम, फगवाड़ा की आयुक्त के पद पर तैनात थीं, को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का निदेशक नियुक्त किया गया है। इस पद पर वह आईएएस अधिकारी विमल कुमार सेतिया का स्थान लेंगी। इसी तरह, 2020 बैच की पीसीएस अधिकारी नवनीत कौर बल, जो वर्तमान में कपूरथला में अतिरिक्त उपायुक्त (जनरल) के पद पर कार्यरत हैं, को अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें कपूरथला के अतिरिक्त उपायुक्त (जनरल) के पद पर बनाए रखते हुए, नगर निगम फगवाड़ा की आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वह इस पद पर अक्षिता गुप्ता का स्थान लेंगी। इसके अलावा, 2020 बैच के पीसीएस अधिकारी दीपंकर गर्ग, जो वर्तमान में सामान्य प्रशासन एवं समन्वय विभाग में उप सचिव तथा पंजाब एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लिमिटेड के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक के पद पर तैनात हैं, को एक और जिम्मेदारी दी गई है। अब वह अपने वर्तमान पदों के साथ–साथ सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में उप सचिव का अतिरिक्त कार्यभार भी संभालेंगे।

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि वर्ष 2010 बैच के आईएएस अधिकारी विमल कुमार सेतिया को अपने वर्तमान पद से मुक्त कर दिया गया है और उन्हें आगे के आदेशों के लिए कार्मिक सचिव के समक्ष रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। पंजाब सरकार ने सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, यह फेरबदल राज्य में प्रशासनिक कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं सुचारू बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

रेवाड़ी में पुलिस से मुठभेड़ में दो इनामी बदमाश घायल, गिरफ्तार

रेवाड़ी २६/०२ (संवाददाता): हरियाणा के रेवाड़ी जिले में पुलिस और बदमाशों के बीच शनिवार देर रात जबरदस्त मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो इनामी बदमाश विकास और हर्ष तोतला घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, विकास और हर्ष तोतला पर हत्या, लूट, डकैती सहित आधा दर्जन से अधिक संगीन धाराओं में मामले दर्ज हैं। इसके अलावा शहर थाना में भी इन दोनों के खिलाफ मर्डर और एससी–एसटी एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज हैं। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने विकास और हर्ष तोतला के अलावा अज्जू और एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रेवाड़ी सीआईए को बदमाशों के छुपे होने का गुप्त इनपुट मिला था। सूचना के आधार पर पुलिस ने जब रेड की तो बदमाश फरार हो गए। पुलिस ने बदमाशों का पीछा किया। धारूहेड़ा थाना क्षेत्र के गांव जीतपुरा में खुद को पुलिस से घिरा देख बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें विकास और हर्ष तोतला के पैर में गोली लगी। मुठभेड़ के दौरान बदमाशों की गोली एक पुलिसकर्मी को भी लगी, लेकिन गनीमत रही कि उसने बुलेट प्रूफ जैकेट पहन रखी थी, जिससे उसकी जान बच गई। पुलिस ने बदमाशों की कार से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए हैं। दोनों बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर डीएसपी हेडक्वार्टर डॉक्टर रविंद्र और डीएसपी बावल सुरेंद्र श्योराण सहित पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। रेवाड़ी के एसपी हेमेंद्र मीणा ने कहा कि कानून हाथ में लेने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और जिले में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। ये आरोपी काफी समय से फरार चल रहे थे और मुखबिर की सूचना पर इन्हें गिरफ्तार किया गया है।

एचआरटीसी के बेड़े में 297 इलेक्ट्रिक बसें होंगी शामिल

ऊना२६/०२ (संवाददाता): हिमाचल प्रदेश सरकार ई–मोबिलिटी को बढ़ावा देने की दिशा में निर्णायक कदम उठा रही है और हिमाचल सड़क परिवहन निगम (एचआरटीसी) के बेड़े में 297 इलेक्ट्रिक बसें शामिल कर रही है। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने गुरुवार को कहा कि पहली प्रोटोटाइप इलेक्ट्रिक बस हैदराबाद से सोलन आ गई है। अगले दो दिनों में सोलन–शिमला मार्ग पर ई–बस का ट्रायल रन किया जाएगा। इसके बाद दूसरे मार्गों पर और राज्य भर में अलग–अलग निगम डिपो पर धीरे–धीरे ट्रायल किए जाएंगे। न्होंने कहा कि सरकार एक ग्रीन और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन प्रणाली बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इलेक्ट्रिक बसों के आने से वायु प्रदूषण काफी कम होगा, डीजल पर निर्भरता कम होगी और संचालन कीमत कम होगी, जिससे निगम की वित्तीय हालत मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि इस पहल से यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक, आधुनिक और भरोसेमंद परिवहन सेवाएं मिलेंगी। इसके लिए पूरे राज्य में चार्जिंग संरचनाएं भी बनायी जा रही है। अग्निहोत्री ने कहा, "ये इलेक्ट्रिक बसें हिमाचल प्रदेश को स्वच्छ , हरित और सतत परिवहन में एक अग्रणी राज्य बनाने में अहम भूमिका निभाएंगी।"

आप नेता आतिशी द्वारा गुरु साहिबानों का अपमान निंदनीय : अविनाश राय खन्ना

होशियारपुर। पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना ने दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी के नेता आतिशी द्वारा गुरुओं बारे में की गई अपमानजनक टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। खन्ना ने कहा कि आप नेता आतिशी ने गुरु साहिब पर अपमानजनक टिपण्णी कर श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है जिसके लिए आतिशी की विधानसभा सदस्यता रद्द कर उसपर केस दर्ज किया जाना चाहिए। खन्ना ने कहा कि इस प्रकार की हरकतों से आम आदमी पार्टी के नेताओं की घटिया मानसिकता उजागर होती है। खन्ना ने आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविन्द केजरीवाल को चेताते हुए कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है और पंजाब गुरुओं की धरती है। यदि गुरु साहिबानों के प्रति अपमानजनक टिप्पणी करने वाले आतिशी को अरविन्द केजरीवाल दोषी मानते हैं तो तुरंत उसे आम आदमी पार्टी से बर्खास्त करें और जनतक तौर पर आप नेता की इस घटिया हरकत के लिए माफी मांगें। खन्ना ने कहा कि एक तरफ सारा देश शहीदी दिवस पर गुरुओं की शहादत को याद कर रहा है और आप नेता द्वारा गुरुओं के प्रति अपमानजनक टिप्पणियां करना सीधे तौर पर धर्म पर प्रहार है।

पीलिया फैलने के कारण गुरुजंगा जेएनवी बंद

भुवनेश्वर २६/०२ (संवाददाता): खुर्दा जिले के गुरुजंगा में जवाहर नवोदय विद्यालय को छात्रों में पीलिया फैलने के कारण 14 जनवरी तक बंद कर दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि दो और छात्रों के पॉजिटिव पाए जाने और कैंपस से टेस्ट के लिए लिए गए सैंपल में पानी में गंदगी पाए जाने के बाद स्कूल अधिकारियों को एहतियात के तौर पर क्लास और हॉस्टल की एक्टिविटीज को सस्पेंड करना पड़ा। यह फैसला नवोदय विद्यालय समिति के कमिश्नर राजेश लखानी के नेतृत्व में एक सेंट्रल टीम के बुधवार को कैंपस का दौरा करने और प्रिंसिपल और फैकल्टी मेंबर्स के साथ बातचीत करने के बाद लिया गया। दो नए मामलों के साथ, पीलिया के मामलों की संख्या बढ़कर 65 हो गई है, जिनमें से 51 मामले अभी एक्टिव हैं, जबकि बाकी छात्र ठीक हो गए हैं। एक नोटिस में, JNV खुर्दा की प्रिंसिपल कविता कर ने कहा कि कैंपस में रहने वाले छात्रों में पीलिया के कुछ मामले सामने आए हैं। नोटिस में कहा गया है, स्कूल ने कमिश्नर की सलाह पर और सभी छात्रों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए एहतियात के तौर पर छात्रों को 14 जनवरी तक अस्थायी रूप से घर भेजने का फैसला किया है। माता–पिता को सलाह दी गई है कि वे अपने बच्चों में किसी भी लक्षण पर करीब से नजर रखें और जरूरत पड़ने पर मेडिकल सहायता लें। इस बंदी से कैंपस की पूरी तरह से सफाई, मेडिकल जांच और छात्रों के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी के लिए समय मिलेगा।आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ओडिशा वाटर कॉर्पोरेशन (वाटको) द्वारा किए गए टेस्ट में कैंपस में दो पानी सप्लाई पॉइंट्स में गंदगी पाई गई। पूरी तरह से रेजिडेंशियल स्कूल, जिसमें 550 से ज़्यादा छात्र रहते हैं, अपनी रोजाना की पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए कम से कम 41 पानी के स्टोरेज टैंक पर निर्भर है। एक सीनियर अधिकारी ने कहा, दो जगहों पर पानी में गंदगी पाई गई है। इन नतीजों के बाद, JNV प्रशासन को छात्रों के लिए सुरक्षित और पीने योग्य पानी की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए तुरंत सुधार के कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले, पब्लिक हेल्थ के डायरेक्टर डॉ. नीलकंठ मिश्रा के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने स्कूल का दौरा किया, प्रभावित छात्रों की जांच की और महामारी विज्ञान निगरानी के हिस्से के रूप में सैंपल लिए। सूत्रों ने बताया कि पीलिया से प्रभावित कुछ छात्रों से लिए गए खून के सैंपल में हेपेटाइटिस ए वायरस पाया गया।

पंजाब सरकार ने चार वर्षों से भी कम समय में 63,027 युवाओं को सरकारी नौकरियाँ देकर इतिहास रचा : मुख्यमंत्री मान

जालंधर २६/०२ (संवाददाता): जब अधिकांश राज्यों में युवाओं के लिए सरकारी नौकरी एक खूबसूरत सपना बनकर रह गई है, तब पंजाब इसके विपरीत तस्वीर पेश कर रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जालंधर के पीएपी ग्राउंड में 1,746 पुलिस कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र वितरित किए, जो एक रिकॉर्ड है और यह घोषणाओं के बजाय परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण को दर्शाता है। पंजाब सरकार 16 मार्च 2022 से औसतन प्रतिदिन 45 युवाओं को सरकारी नौकरियाँ प्रदान कर रही है, जिससे चार वर्षों से भी कम समय में 63,027 नियुक्तियाँ कर इतिहास रचा गया है। यह सामूहिक भर्ती न केवल पंजाब पुलिस को मजबूत करती है, बल्कि योग्यता–आधारित और पारदर्शी भर्ती के स्पष्ट संदेश को भी सुदृढ़ करती है। साथ ही, नव–शामिल बल को नशों, साइबर अपराध और गैंगस्टरों के खिलाफ लड़ाई में निर्णायक भूमिका निभाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। रविवार को पंजाब पुलिस के सशस्त्र और जिला कैडर के 1,746 कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "यह अत्यंत गर्व और संतोष की बात है कि इस सरकार के कार्यकाल के दौरान कुछ युवाओं ने दो या तीन सरकारी नौकरियाँ भी प्राप्त की हैं। अपने कार्यकाल के पहले दिन से ही मैंने यह सुनिश्चित किया कि योग्य युवाओं को उनका हक मिले और इसी कारण अब तक 63,027 युवाओं को सरकारी नौकरियाँ दी गई हैं। आज 1,746 और युवा पंजाब सरकार के परिवार में शामिल हुए हैं, जो अब राज्य की सामाजिक और आर्थिक प्रगति में सक्रिय भागीदार बनेंगे।" इन नियुक्तियों को कोई एहसान न बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "पंजाब के युवा अपनी योग्यता के आधार पर इन नौकरियों के हकदार हैं। दुर्भाग्यवश पिछली सरकारों ने कभी उनकी परवाह नहीं की। मुझे संतोष है कि ये भर्तियाँ पूरी तरह मेरिट के आधार पर की गई हैं। मैं नव–भर्ती युवाओं से अपील करता हूँ कि वे शासन का अभिन्न अंग बनकर मिशनरी भावना से जनता की सेवा करें।" नव–भर्ती उम्मीदवारों पर विश्वास व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "मुझे उम्मीद है कि आप अपने पदों का उपयोग जरूरतमंदों और वंचितों की सहायता के लिए करेंगे। आपका कर्तव्य अधिकतम जनकल्याण

सुनिश्चित करना है, ताकि समाज के हर वर्ग को लाभ मिल सके। ये भर्तियाँ पूरी तरह पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से की गई हैं और उम्मीदवारों का चयन प्रतियोगी परीक्षाएँ उत्तीर्ण करने के बाद ही किया गया है।" सरकार के मुख्य एजेंडे को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "पहले दिन से ही इस सरकार का एकमात्र उद्देश्य सरकारी नौकरियों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना रहा है। आज जिला कैडर के 1,261 कांस्टेबलों और सशस्त्र कैडर के 485 कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। यह आपके जीवन की एक नई शुरुआत है और मैं आप सभी को पंजाब पुलिस में शामिल होने पर बधाई देता हूँ।" पुलिस बल की मजबूती पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, "पिछले चार वर्षों में 10,264 युवाओं को पंजाब पुलिस के विभिन्न रैंकों में भर्ती किया गया है। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। पंजाब पुलिस ने हमेशा देश की एकता और अखंडता की रक्षा की है और इस सीमावर्ती राज्य में शांति बनाए रखी है। हमारे पुलिस कर्मियों के बलिदानों के कारण ही पंजाब आज एक शांतिप्रिय राज्य के रूप में जाना जाता है।" मुख्यमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। उन्होंने कहा, "सीमावर्ती राज्य होने के नाते पंजाब को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हमारी पुलिस फोर्स समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ इनका सामना कर रही है। पड़ोसी देशों द्वारा हमारे युवाओं को गुमराह करने और पंजाब को आतंकवाद के अंधकारमय दौर में वापस धकेलने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिन्हें किसी भी सूरत में सफल नहीं होने दिया जाएगा।" नशों के खिलाफ लड़ाई का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "पंजाब नशों के खिलाफ जंग लड़ रहा है। हमारी पुलिस 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम में योद्धाओं की तरह काम कर रही है। नशा तस्करों को सलाखों के पीछे भेजा जा रहा है और नशे के पैसे से बनाई गई संपत्तियों को ध्वस्त किया जा रहा है। ऐसे तत्व समाज के दुश्मन हैं और सरकार उन्हें किसी भी हालत में बख्शेगी नहीं।" उन्होंने आगे कहा, "'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम का दूसरा चरण शुरू कर दिया गया है। जब तक पंजाब से नशों का पूरी तरह खात्मा नहीं हो जाता, हम चौन से नहीं बैठेंगे। उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए यह आवश्यक है कि पुलिस बल को उन्नत जांच विधियों, विज्ञान और प्रौद्योगिकी से निरंतर अपग्रेड किया जाए। मुझे विश्वास है कि पंजाब पुलिस अपनी गौरवशाली विरासत को पूर्ण पेशेवर प्रतिबद्धता के साथ बनाए रखेगी।" नव–भर्ती जवानों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "यह आपके लिए एक यादगार अवसर है क्योंकि आप पंजाब पुलिस परिवार का हिस्सा बन रहे हैं। अपनी ड्यूटी को समर्पण, कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता के साथ निभाएँ तथा राज्य की प्रगति और इसके लोगों की खुशहाली में सार्थक योगदान दें।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार

जाजपुर में दो राजनीतिक नेताओं के समर्थकों के बीच झड़प में 15 लोग घायल हो गए

जाजपुर २६/०२ (संवाददाता): पुलिस ने बताया कि ओडिशा के जाजपुर जिले में एक निर्दलीय विधायक और बीजदनेता के समर्थकों के बीच हुई झड़प में कम से कम 15 लोग घायल हो गए, जिनमें से पांच गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस ने बताया कि जिले में जेनापुर पुलिस स्टेशन के तहत पंतूरी के पास बीजद नेता और पूर्व धर्मशाला विधायक प्रणब कुमार बलबंतराय के फार्महाउस में हुई झड़प में बाइक और कारों सहित कई गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। उन्होंने बताया कि घायलों को धर्मशाला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, और बाद में, उनमें से पांच को कटक के [illegible] मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में शिफ़्ट कर दिया गया।बलबंतराय के समर्थक बताए जा रहे 30 से ज़्यादा बीजद कार्यकर्ता, जिनमें कुछ महिलाएं भी शामिल थीं, फार्महाउस में दावत कर रहे थे। बलबंतराय ने आरोप लगाया कि धर्मशाला के निर्दलीय विधायक हिमांशु शेखर साहू के लगभग 50 समर्थक जानलेवा हथियारों के साथ फार्महाउस में घुस गए और बिना किसी उकसावे के [illegible] कार्यकर्ताओं पर हमला कर दिया, जिससे 15 लोग घायल हो गए, जिनमें से पांच गंभीर रूप से घायल हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने फार्महाउस में खड़ी चार कारों सहित 20 से ज़्यादा गाड़ियों में तोड़फोड़ की।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। हमले को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताते हुए, बलबंतराय ने कहा कि यह लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक दुश्मनी का नतीजा है। उन्होंने कहा कि यह पहला मामला नहीं है, और पिछले विधानसभा चुनावों और धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र में चुनाव के बाद भी इसी तरह की घटनाएं हुई हैं। 2024 के विधानसभा चुनावों में, बलबंतराय धर्मशाला निर्वाचन क्षेत्र में साहू से हार गए थे।

बीजद नेता ने कहा, हमने इस घटना के संबंध में स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। हमें जाजपुर पुलिस पर भरोसा नहीं है। हम इस मामले को पुलिस महानिदेशक के पास ले जाएंगे। इस बीच, कई बीजद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भुवनेश्वर में [illegible] के कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया, और हमले में शामिल लोगों की गिरफ़्तारी की मांग की। दूसरी ओर, साहू के एक समर्थक ने आरोप लगाया कि जब वह अपनी कार से उस रास्ते से गुज़र रहा था, तो बलबंतराय के समर्थकों ने उस पर हमला किया।जेनापुर पुलिस ने बताया कि इस घटना के संबंध में दोनों पक्षों द्वारा दो अलग-अलग शिकायतें दर्ज की गई हैं। जेनापुर पुलिस स्टेशन की इंचार्ज इंस्पेक्टर निरुपमा जेना ने कहा, हमने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी को गिरफ़्तार नहीं किया गया है। इस साल अप्रैल में, मौजूदा धर्मसाला विधायक हिमांशु शेखर साहू के कुछ समर्थकों ने कथित तौर पर बालाबांतराय पर हमला किया था और उनकी कार में तोड़फोड़ की थी। लेकिन हमले के बाद बालाबांतराय बाल-बाल बच गए थे।

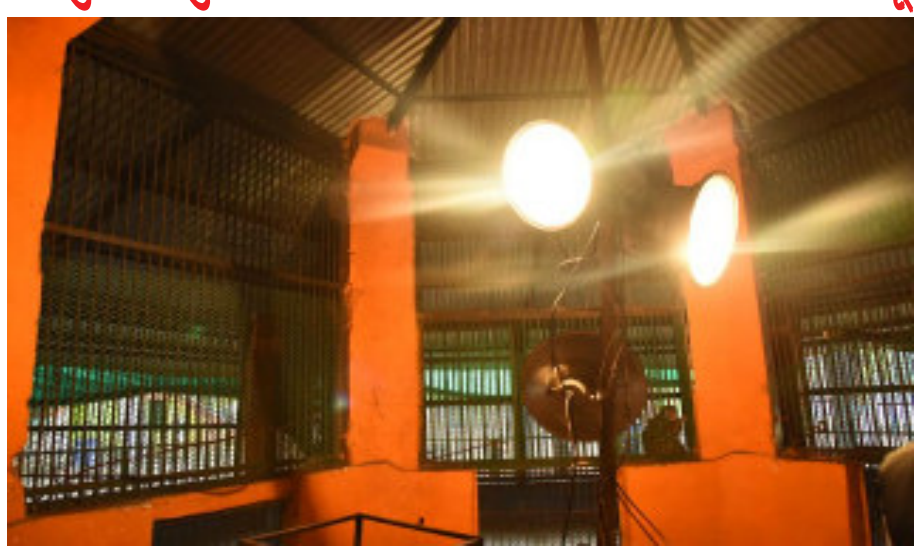

आरएसपी द्वारा इंदिरा गांधी पार्क चिड़ियाघर के वन्य जीवों के सुरक्षा हेतु शीतकालीन देखभाल पहल सक्रियता से लागू

राउरकेला २६/०२ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) ने पूरे क्षेत्र में तापमान में गिरावट के साथ, इंदिरा गांधी पार्क चिड़ियाघर में रखे गए वन्य जीवों के लिए सर्दियों की देखभाल की व्यवस्था को सक्रिय रूप से मज़बूत किया है। चिड़ियाघर का प्रबंधन करने वाला आरएसपी का उद्यान- कृषि विभाग सभी 18 प्रजातियों के लगभग 200 जानवरों, पक्षियों और सरीसृपों के लिए ठंड के मौसम में सुरक्षित, तनाव-मुक़्त और आरामदायक वातावरण सुनिश्चित करने हेतु व्यापक उपाय लागू कर रहा है।

विभिन्न प्रजातियों की भिन्न तापीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभाग ने अलग-अलग बाड़ों में अनुकूलित व्यवस्थाएँ की हैं। भालू, मकाउ, मोर और तेंदुए के बाड़ों में गर्म हवा देने वाले रूम हीटर लगाए गए हैं ताकि इन संवेदनशील जीवों के लिए उपयुक़्त तापमान बना रहे। जिन प्रजातियों को प्राकृतिक रूप से इंसुलेटेड विश्राम क्षेत्र की आवश्यकता होती है, जैसे कि अजगर और एमू, उनके बाड़ों में गर्मी बनाए रखने के लिए सूखे पुआल की बिछावन की व्यवस्था की गई है।

प्राइमेट और सरीसृप गृहों में ताप प्रदान करने वाली इन्कैंडेसेंट बल्ब की व्यवस्था की गई है, जो छोटे स्तनधारियों और शीत-रक़्तीय प्रजातियों के लिए हल्की और स्थिर गर्माहट उपलज़्ध कराती है। नाजुक हिरण शावकों को ठंडी हवाओं से बचाने के लिए उनके बाड़ों में जूट के बोरे का इस्तेमाल किया गया है।

मुज़्य महाप्रबंधक (नगर अभियांत्रिकी एवं बागवानी) तथा महाप्रबंधक (बागवानी एवं प्रभारी जेडडीपी) के कुशल नेतृत्व में उद्यान-कृषि विभाग ने मौसमी प्रभाव के गंभीरता को भाँपते हुए तेज़, प्रजाति-विशेष कदम उठाकर सर्दियों में चिड़ियाघर के विविध वन्यजीवों के लिए बेहतर, सुरक्षित और स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है, ताकि कड़ाके के ठंड से सभी को बचाया जा सके.

बरहामपुर में बढ़ते आवारा कुज़्ों के खतरे को लेकर निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया

बरहामपुर २६/०२ (संवाददाता): बरहामपुर के गोसानिनुआगांव के निवासियों ने रविवार को आवारा कुज़्ों के बढ़ते खतरे को रोकने में अधिकारियों की कथित लापरवाही के खिलाफ मुज़्य सड़क को जाम करके विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन रविवार को हुई एक नई घटना के बाद हुआ, जिसमें इलाके में एक बुजुर्ग महिला सहित पांच लोगों को आवारा कुज़्ों ने काट लिया। गुस्साए निवासियों ने टायर जलाकर सड़क जाम कर दी, जिससे कई घंटों तक ट्रैफिक रुका रहा।

स्थानीय पार्षद धीरेश सबत ने कहा, लगभग हर दिन पैदल चलने वाले लोग आवारा कुज़्ों के हमलों का शिकार हो रहे हैं। अकेले इस हज़्ते में ही 20 से ज़्यादा लोग आवारा कुज़्ों के हमलों में घायल हुए हैं। बाद में प्रदर्शनकारियों ने बरहामपुर नगर निगम को एक ज्ञापन सौंपा, जिसके बाद अधिकारियों द्वारा उचित कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने पर ट्रैफिक फिर से शुरू हो गया। बरहामपुर में पिछले कुछ महीनों में आवारा कुज़्ों का खतरा बढ़ गया है, जिससे लगातार घटनाएं हो रही हैं। निवासियों ने आवारा कुज़्ों की आबादी में अनियंत्रित वृद्धि के लिए एनिमल बर्थ कंट्रोल कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने में विफलता को जिज़्मेदार ठहराया है। हालांकि [illegible] ने दावा किया है कि [illegible] कार्यक्रम फिर से शुरू किया जाएगा, लेकिन यह अभी तक शुरू नहीं हुआ है।शहर भर में रोजाना जानवरों के काटने के मामले सामने आने के बावजूद, अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, जिससे लोगों में गुस्सा है। हालांकि, [illegible] अधिकारियों ने कहा कि शहर में आवारा कुज़्ों की नसबंदी की जिज़्मेदारी एक ओपन टेंडर के ज़रिए बेंगलुरु स्थित एक संगठन आश्रा को दी गई है। हालांकि, टेंडर फाइनल होने के दो महीने बाद भी नसबंदी की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है, जिसके परिणामस्वरूप आवारा कुज़्ों की संज़्या और काटने के मामलों में और वृद्धि हुई है।

सूत्रों के अनुसार, देरी नसबंदी के बाद कुज़्ों को रखने के लिए ज़रूरी केनेल के निर्माण के कारण हुई। जबकि पहले जिला पशु चिकित्सालय परिसर में 20 केनेल थे, अब 80 अतिरिक्त केनेल बनाए गए हैं। सूत्रों ने बताया कि संबंधित संगठन को बातचीत के लिए बुलाया गया है, जिसके बाद आवारा कुज़्ों की टैगिंग और नसबंदी शुरू की जाएगी। शर्तों के अनुसार, संगठन दवा, भोजन, नसबंदी और पूरी प्रक्रिया के लिए प्रति कुज़्े 2,000 रुपये खर्च करेगा, जिसमें कुज़्े को पकड़ने से लेकर उसे उसी स्थान पर वापस छोड़ने तक सब शामिल है। BMC ने आवारा कुज़्ों की नसबंदी, खिलाने और दवा देने की निगरानी के लिए एक डॉज़्टर, एक अटेंडेंट और एक पशुधन निरीक्षक की नियुक्ति की भी व्यवस्था की है।

मयूरभंज में खनन माफिया ने वन अधिकारी पर हमला किया

मयूरभंज २६/०२ (संवाददाता): मयूरभंज जिले के उदला इलाके में वन विभाग के एक अधिकारी पर कथित तौर पर पत्थर तस्करी करने वाले ग्रुप के सदस्यों ने बेरहमी से हमला किया।

ये लोग अवैध ट्रांसपोर्टेशन में शामिल एक गाड़ी को जज़्त किए जाने से नाराज़ थे। पीड़ित, पारा फॉरेस्टर अनंत नारायण चौधरी, जो उदला फॉरेस्ट रेंज ऑफिस में तैनात हैं, पर उदला-बारीपदा स्टेट हाईवे पर एक पेट्रोल पंप के पास हमला किया गया, जब वह सड़क पर यात्रा कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार, तीन हमलावरों ने उन्हें रोका, गालियां दीं और उन पर हिंसक हमला किया, जिससे उन्हें काफी खून बहने लगा। माना जा रहा है कि यह हमला 15 अज़्टूबर को अवैध रूप से निकाले गए पत्थर ले जा रहे एक वाहन को जज़्त करने के बदले में किया गया है। तब से, कथित तौर पर पत्थर माफिया के सदस्य चौधरी को धमकियां दे रहे थे। चौधरी को गंभीर चोटें आईं और उन्हें तुरंत उदला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज हुआ। घटना के बाद, चौधरी ने उदला पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि जांच शुरू कर दी गई है।

इस्पात जनरल अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सा हस्तक्षेप से 48 घंटे कोमा में रहे 32 वर्षीय गंभीर रोगी की जान बच गई

राउरकेला २६/०२ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के इस्पात जनरल अस्पताल (आईजीएच) ने एक बार फिर अपनी उन्नत चिकित्सा क्षमता और डॉज़्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उत्कृष्ट दक्षता का परिचय देते हुए 32 वर्षीय पुरुष मरीज को सफलतापूर्वक पुनर्जीवित किया, जो गंभीर दुर्घटना के बाद 48 घंटे से अधिक समय तक कोमा की स्थिति में था।

17 नवंबर 2025 को एक सड़क दुर्घटना का शिकार हुए इस मरीज़ को शुरू में आरजीएच में भर्ती कराया गया था और बाद में उसे वीएसएसएमसी, बुरला रेफर कर दिया गया। आखिरकार उसे 19 नवंबर 2025 को गंभीर हालत में आईजीएच लाया गया। निदानात्मक जाँच से पता चला कि उन्हें राइट फ्रंटो-टेज़्पोरो-पैरिएटल एज़्यूट सब-ड्यूरल हेमरेज हुआ है, जो मस्तिष्क रक़्तस्राव का एक गंभीर रूप है जिसके लिए तत्काल न्यूरोसर्जिकल हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। हालाँकि, उनके आने से पहले ही शल्यचिकित्सा के लिए 48 घंटे से ज़्यादा विलज़्ब हो चूका था।

अस्पताल पहुँचने पर मरीज अर्ध-कोमा अवस्था में था और तुरंत वेंटिलेटर सहारा / सहायता पर रखा गया। आईजीएच की चिकित्सा टीम ने शीघ्रता से आपातकालीन न्यूरोसर्जरी की योजना बनाकर उसे क्रियान्वित किया। सर्जरी का नेतृत्व वरिष्ठ सलाहकार (न्यूरोसर्जन), डॉ. मनोज कुमार देव ने किया, जिन्हें एनेस्थीसिया मदद अतिरिज़्त मुज़्य चिकित्सा अधिकारी (एनेस्थी सिया), डॉ. मनोरंजन समंतराय से प्राप्त हुआ। शल्यचिकित्सा के दौरान सिस्टर गोधूली और सिस्टर अर्चना ने आवश्यक सहायता प्रदान की। शल्यचिकित्सा के बाद आईसीयू देखभाल की देखरेख अतिरिज़्त मुज़्य चिकित्सा अधिकारी (एनेस्थीसिया), डॉ. संजुज़्ता पाणिग्रही द्वारा की गई साथ ही सिस्टर शाइनी जॉर्ज और आईसीयू नर्सिंग टीम के समर्पित सहयोग से रोगी की करीबी निगरानी और स्थिरीकरण सुनिश्चित किया गया। रोगी ने उपचार के प्रति उल्लेखनीय रूप से अच्छी प्रतिक्रिया दी, धीरे=धीरे उसे वेंटिलेटर सहारे से हटा दिया गया और बाद में उसे सामान्य वार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया। वार्ड में व्यापक देखभाल सिस्टर गौरी, सिस्टर सस्मिता, सिस्टर रीमा, सिस्टर मनीषा, सिस्टर रूबी, सिस्टर सोनिया एवं अन्य सहयोगी स्टाफ द्वारा प्रदान की गई जिन्होंने मरीज के स्वास्थ्य-लाभ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शल्यचिकित्सा पश्चात व्यवस्थित प्रबंधन की वजह से मरीज ने पूर्ण चेतना प्राप्त की, सामान्य रूप से बातचीत करने लगा, मूह से भोजन ग्रहण करने लगा और स्वयं चलने-फिरने में सक्षम हुआ। यह उल्लेखनीय उपलज़्धि इस्पात जनरल अस्पताल की विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाओं और उसके न्यूरोसर्जरी, एनेस्थीसिया, आईसीयु तथा नर्सिंग टीमों की विशेषज्ञता को रेखांकित करती है। जटिल परिस्थिति और उपचार में हुई देरी के बावजूद मरीज का सफल पुनर्जीवन आईजीएच की करुणामय, कुशल और प्रभावी आपातकालीन चिकित्सा सेवा प्रदान करने की अविचल प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो अब तक इस क्षेत्र का भरोसेमंद स्वास्थ्य संस्थानों में से एक बना हुआ है।

एक महिला ने कथित मानव बलि के प्रयास में अपनी नाबालिग बेटी को मारने की कोशिश की

जयपुर २६/०२ (संवाददाता): मानव बलि के एक संदिग्ध मामले में, ओडिशा के जयपुर शहर में आज एक महिला ने कथित तौर पर अपनी 13 साल की बेटी को मारने की कोशिश की। पुलिस ने नाबालिग लड़की को बचाया और घटना की जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, विधवा महिला, जिसकी पहचान अंबिका खोसला के रूप में हुई है, पिछले कई दिनों से कथित तौर पर जादू-टोना कर रही थी। हालांकि, उसकी बेटी ईसाई धर्म मानती थी और चर्च जाती थी। खोसला ने कथित तौर पर आज ओडिशा के कोरापुट जिले के जयपुर में अपने इरिगेशन कॉलोनी वाले घर में अपनी बेटी का सिर काटकर बलि देने की कोशिश की। हालांकि, पीड़िता की चीखें सुनकर कुछ स्थानीय लोगों को घटना के बारे में पता चला और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके से तलवार और पूजा का सामान मिला पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू करने से पहले नाबालिग लड़की को बचाया। बताया जा रहा है कि उन्हें मौके से एक तलवार और कुछ पूजा का सामान मिला। हालांकि, कुछ अन्य स्थानीय निवासियों ने दावा किया कि महिला कुछ मानसिक बीमारियों से पीड़ित है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्होंने उसके कुछ असामान्य व्यवहार को देखा था। एक अन्य स्थानीय व्यक्ति ने कहा, पुलिस को घटना की पूरी तरह से जांच करनी चाहिए और आरोपी महिला के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। उन्हें नाबालिग लड़की की सुरक्षा के लिए भी उचित कदम उठाने चाहिए।